भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 248 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

# अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 02 सितम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

## बीजेपी-आरएसएस की बड़ी बैठक में तैयार होगा जीत का फॉर्मूला?

### यूपी सहित 5 राज्यों में चुनाव



**नागपुर (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सहित अपने सभी प्रमुख संगठनों को 3 सितंबर से हेडक्वॉर्टर में मंथन के लिए बुलाया है। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि बैठक का लक्ष्य 2022 में होने जा रहे उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में बीजेपी का अच्छा प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। आरएसएस ने बीजेपी, भारतीय मजदूर संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भारतीय किसान संघ सहित सभी अंगों के संगठन सचिवों को बुलाया है। आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी अरविंद कुकडे ने कहा कि संघ परिवार के करीब 60 प्रमुख नेता जो अलग-अलग संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हैं और आरएसएस केंद्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य चार दिन तक चलने वाले सम्मेलन में भाग लेंगे। बैठक को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी भी संबोधित करेंगे। आरएसएस के पूर्व पदाधिकारी दिलीप देवधर ने कहा कि बैठक में अफगानिस्तान में हाल में हुए घटनाक्रम पर भी चर्चा होगी। संघ इस मुद्दे पर अपनी राय रखेगा और बताएगा कि यह इसका दुनिया और भारत पर असर किस तरह देखता है। देवधर ने कहा, "आरएसएस को लगता है कि तालिबान की सत्ता में हिंसक वापसी सभ्य दुनिया के लिए शुभ संकेत नहीं है और इससे कश्मीर में आतंकवादियों का मनोबल बढ़ सकता है।" बैठक में इस मुद्दे पर प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। देवधर के मुताबिक, आरएसएस उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार से खुश है और यूपी चुनाव में पूरे मन से उनकी टीम को समर्थन देने का फैसला किया गया है। इसके अलावा स्वयंसेवकों को देश के सबसे बड़े सूबे में अगले साल होने जा रहे चुनाव में सक्रिय किया जाएगा। पंजाब, यूपी, हरियाणा और दिल्ली में जारी किसान आंदोलन पर भी चर्चा हो सकती है और केंद्र सरकार से इसे सुलझाने की अपील की जा सकती है।

संघ चाहता है कि सरकार कृषि उत्पादों के लिए मिनिमम गारंटी प्राइज (एमजीपी) की शुरुआत करे और पिछले साल मोदी सरकार की ओर से लाए गए कृषि कानूनों में कृषि उपज के लिए लाभकारी मूल्य का फॉर्मूला जोड़ा जाए। कुकडे ने कहा कि आरएसएस की बैठक में कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाएगा। इससे पहले 2020 में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बेंगलुरु में प्रस्तावित बैठक को कोरोना की वजह से रद्द कर दिया गया था।

### बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की सीबीआई की जांच, ममता सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसमें राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा की सीबीआई जांच का निर्देश दिया गया है। बता दें कि पिछले महीने की 19 तारीख को हाई कोर्ट ने बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा के दौरान हुए हत्या, बलात्कार के मामलों की सीबीआई जांच का आदेश दिया।इसके अलावा अन्य अपराधों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया है। सीबीआई और एसआईटी की जांच उच्च न्यायालय की निगरानी में होगी। कोर्ट ने सीबीआई को 6 सप्ताह के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई जांच भी शुरू कर चुकी है। इस मामले में अब तक कई केस भी दर्ज हुआ है।बता दें कि चुनाव बाद हिंसा की जांच के लिए जब हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए तब टीएमसी ने नाखुशी जाहिर की थी। टीएमसी नेता सौगत रॉय ने कहा था कि मैं इस फैसले से नाखुश हूं। यदि राज्य के कानून-व्यवस्था के किसी भी मामले में सीबीआई जांच करने आती है तो फिर यह राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में दखल होगा। मुझे भरोसा है कि राज्य सरकार स्थिति की समीक्षा करेगी और फिर जरूरत होगी तो उच्चतम न्यायालय में आदेश को चुनौती देगी।



### कर्नाटकः कॉलेज के 32 छात्र कोरोना पॉजिटिव, स्वास्थ्य मंत्री बोले- मैं खुद जाऊंगा, कार्रवाई होगी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तीसरी लहर के आने की आशंका के बीच कुछ राज्यों में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। कर्नाटक में एक कॉलेज के 32 छात्र कोविड-19 पॉजिटिव मिले हैं। कर्नाटक के कोलार स्थित कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड हॉस्पीटल के 32 छात्रों के कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद यहा हड़कंप मच गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर के सुधाकर ने बुधवार को बताया कि केजीएफ नर्सिंग कॉलेज के 32 छात्र कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। यह सभी केरल से आए थे। मैं कॉलेज का दौरा करूंगा और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ एक्शन भी लिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे बताया कि राज्य में कोरोना को काफी हद तक कंट्रोल किया गया है। पहले जहां 50,000 केस प्रतिदिन आते थे वहीं अब यह आंकड़ा घट कर 700-800 पर आ गया है।

### '1 महीने का ही बच गया है राशन', तालिबान के कब्जे के बाद भुखमरी की ओर अफगानिस्तान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान अब भुखमरी की तरफ बढ़ रहा है। बुधवार को यूनाइटेड नेशन के अधिकारी ने इस संबंध में चेताते हुए कहा कि अफगानिस्तान में इस महीने के बाद जबरदस्त भुखमरी की स्थिति आ सकती है। यूएन अधिकारी ने कहा कि जिस तरह की चुनौतियों से अभी अफगानिस्तान गुजर रहा है उससे वहां खाने की किल्लत पैदा हो सकती है। स्थानीय मानवीय समन्वयक रमीज़ अलाकबारोव ने कहा कि देश की एक तिहाई आबादी आपातकालीन स्थिति का सामना कर रही है या फिर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रही है। सर्दी का मौसम आ रहा है और देश सूखे का सामना कर रहा है।

## दिल्ली में बारिश ने तोड़ा 12 सालों का रिकॉर्ड, कई जगह जलभराव, गिरे पेड़ और दीवारें



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के कुछ हिस्सों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन भारी बारिश का सिलसिला जारी रहा। सितंबर के पहले ही दिन शहर में हुई बारिश ने कम से कम 12 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 12 सालों पहली बार एक दिन में इतनी ज्यादा बारिश दर्ज की गई। दिल्ली में हुई बारिश से कई जगहों पर पेड़ गिर गए और दीवारें भी गिर गईं। ट्रैफिक पुलिस ने कुछ रास्तों को लेकर चेतावनी भी जारी की है। मौसम केंद्रों ने 24 घंटों में दिल्ली में 112.1 मिमी वर्षा दर्ज की, जो बुधवार को सुबह 8:30 बजे समाप्त हुई।

भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में यातायात बाधित और जलभराव देखा गया। लोगों को बाहर निकलने से पहले ट्रैफिक जाम की जांच करने की सलाह दी गई। आईएमडी ने कहा, ठउन क्षेत्रों में जाने से बचें, जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है। मौसम विभाग ने ट्वीट कर चेतावनी दी, ठअगले दो घंटों के दौरान पूर्वी, दक्षिणपूर्व, पूर्वोत्तर, उत्तर, दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी, मेरठ और मोदीनगर के अलग-अलग स्थानों के आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम तीव्रता के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अलर्ट जारी कर बताया कि ठजलभराव के कारण आजाद मार्केट सबवे पर प्रताप नगर की ओर यातायात में बाधा हैठ। लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन, लाला लाजपत राय मार्ग मूलचंद बस स्टैंड, एम्स फ्लाईओवर के पास अरविंदो मार्ग, जंगपुरा मेट्रो के पास, एम्स से मूलचंद और रिंग रोड के पास मूलचंद रेड लाइट के पास जलभराव देखा गया।

## 'रहस्यमयी बीमारी' से कई बच्चों की मौत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक रहस्यमयी बीमारी ने पिछले 10 दिनों में कम से कम 32 बच्चों की जान ले ली है. प्रशासन अभी भी इस बीमारी की पहचान करने में जूझ रहा है. ऐसे में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं.आगरा से करीब 35 किलोमीटर दूर बसे फिरोजाबाद में इस बीमारी से मरने वाले बच्चों और वयस्कों की अलग अलग मीडिया रिपोर्टों में अलग अलग संख्या दी गई है. एक रिपोर्ट के अनुसार मरने वालों की कुल संख्या 53 हो गई है, जिनमें कम से कम 45 बच्चे हैं. प्रशासन को शक है कि यह डेंगू का असर है, लेकिन इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है. प्रकोप इतना बुरा है कि शहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में इस समय कम से कम 185 बच्चे भर्ती हैं. बताया जा रहा है कि शहर के लगभग सभी सरकारी और निजी अस्पताल मरीजों से भर गए हैं. फिरोजाबाद में बुरा हाल आगरा डिवीजनल कमिश्नर अमित गुप्ता ने मीडिया को बताया कि फिरोजाबाद में बीते एक हफ्ते में करीब 40 लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जिसका प्राथमिक कारण डेंगू लग रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे कारणों का भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है पूरे राज्य के स्कूलों में एक सितंबर से कक्षा एक से पांचवीं तक को खोलने की योजना थी, लेकिन फिरोजाबाद में बीमारी के प्रकोप की वजह से जिला प्रशासन ने स्कूलों को बंद ही रखने का आदेश दिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 अगस्त को फिरोजाबाद दौरे पर गए थे और स्थिति से निपटने की तैयारी का जायजा लिया था. स्थानीय डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों में लक्षणों की शुरुआत बुखार, दस्त और उल्टियों से होती है। बच्चों की कोविड जांच भी की जा रही है लेकिन अभी तक इनमें कोविड का कोई मामला सामने नहीं आया है. कई जगह से मौतों की खबर बताया जा रहा है कि पास ही में स्थित मथुरा से भी कुछ लोगों की मौत की खबर आई थी लेकिन इनके लिए स्क्रब टाइफस नाम की बीमारी को जिम्मेदार पाया गया. यह भी डेंगू की ही तरह एक वेक्टर जनित बीमारी होती है लेकिन यह वायरस की जगह बैक्टीरिया की वजह से होती है।

### कल्याण सिंह की तेरहवीं संस्कार में शामिल हुए सीएम योगी, कहा-

## बाबूजी ने अपना जीवन दलितों, वंचितों, पिछड़ों को समर्पित किया



**अलीगढ़ (एजेंसी)।** सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को अतरौली के केएमबी कॉलेज में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के तेरहवीं संस्कार में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने एक छोटे से गांव में जन्म लेकर समाज सेवा का जो संकल्प लिया था, उसे उन्होंने जीवन भर निभाया।

उन्हें जो जिम्मेदारी मिली, वह उन्होंने बखूबी निभाई। सीएम योगी ने कहा कि उन्होंने पार्टी, सरकार व संगठन के प्रति पूरी ईमानदारी से काम किया। उन्होंने पूरे संकल्प से अपनी जिम्मेदारी को पूरा किया। वह किसी भी त्याग से पीछे नहीं हटे। 1992 में राम मंदिर के लिए विवादित ढांचे के मामले में पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ली। उत्तर प्रदेश के अंदर भय मुक्त व ईमानदार सरकार दी। उन्होंने गरीबों व दबे कुचलों के लिए काम किया। सीएम ने कहा कि बाबू जी ने सभी कार्य पूरी निष्ठा से किये। राम मंदिर निर्माण के लिए ढांचे गिराने के मामले में पूरी जिम्मेदारी ली। वह देश मे कुछ विरले लोगों में से एक रहे, जिन्होंने अपने सामने राम मंदिर का निर्माण शुरू होते देखा। सीएम योगी ने आगे कहा कि राम मंदिर आंदोलन से जुड़े सभी लोगों में बाबूजी आगे की पंक्ति के योद्धा थे। उन्होंने अपना जीवन समाज के लिये दिया। उन्होंने समाज को भय मुक्त प्रशासन दिया।

### पंजाब-छत्तीसगढ़ ही नहीं, कश्मीर से कन्याकुमारी तक अंदरूनी कलह से जूझ रही कांग्रेस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पार्टी अंदरूनी कलह से जूझ रही है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पंजाब में पार्टी सरकार में है, पर पार्टी को जम्मू-कश्मीर, असम व केरल में भी नेताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इन राज्यों में अभी कई वर्षों तक कोई चुनाव नहीं हैं। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच झगड़ा बरकरार है। सिद्धू अपनी ही सरकार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। चुनाव से पहले झगड़ा खत्म करने की कोशिशों के तहत प्रदेश प्रभारी हरीश रावत चंडीगढ़ गए हैं। उधर, छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच विवाद बरकरार है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के बीच भी रिश्ते ठीक नहीं है। राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ में पार्टी सरकार में है, पर कांग्रेस के अंदर उन राज्यों में भी कलह बढ़ रही है, जहां कई साल तक कोई चुनाव नहीं है। केरल में पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया से दूर रखे जाने से नाराज हैं। वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला भी पसंदीदा जिला अध्यक्ष नहीं बनाने से खफा हैं।

### पंजाब में कांग्रेस नेताओं को 'पंज प्यारे' कहकर घिरे रावत ने मांगी माफी, प्रायश्चित के लिए गुरुद्वारे में करेंगे सफाई



**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** पंजाब में कांग्रेस नेतृत्व को 'पंज प्यारे' कहकर संबोधित करने की वजह से घिरे ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी (छ्ण्) के महासचिव हरीश रावत ने अपने बयान पर माफी मांग ली है। अपनी गलती पर प्रायश्चित करने के लिए वह गुरुद्वारे में सफाई करेंगे। रावत ने मंगलवार को चंडीगढ़ में पंजाब कांग्रेस भवन में हुई बैठक के बाद पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष और उनके चार कार्यकारी अध्यक्षों के लिए 'पंज प्यारे' शब्द का इस्तेमाल किया था। सिख परंपरा में 'पंज प्यारे संबोधन गुरु के पांच प्यारों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह और उनके पांच अनुयायियों से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की थी। बुधवार को अपने फेसबुक पेज पर रावत ने 'पंज प्यारे' टिप्पणी के लिए गलती स्वीकार की। रावत ने लिखा, "कभी कभी सम्मान जाहिर करने के लिए आप ऐसे शब्द का इस्तेमाल कर जाते हैं जिन पर आपत्ति उठ सकती है। मैंने भी अपने माननीय अध्यक्ष और चार कार्यकारी अध्यक्षों के लिए 'पंज प्यारे शब्द का इस्तेमाल कर गलती की है। रावत ने कहा कि वह देश के इतिहास के छात्र रहे हैं और पंज प्यारों के अग्रणी स्थान की किसी और से तुलना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, "मुझसे यह गलती हुई है, मैं लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए क्षमा प्रार्थी हूं।" रावत कांग्रेस के पंजाब मामलों के प्रभारी हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने राज्य उत्तराखंड में गुरद्वारे में सफाई कर अपनी इस गलती का प्रायश्चित करेंगे।रावत ने कहा कि सिख धर्म और इसकी महान परंपराओं के प्रति उनमें हमेशा समर्पण और सम्मान की भावना रही है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने रावत की टिप्पणी पर आपत्ति जताई थी और इसके लिए माफी की मांग की थी। शिअद नेता दलजीत सिंह चीमा ने रावत की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की थी और मांग की थी कि लोगों की भावनाओं को आहत करने के लिए राज्य सरकार को उनके खिलाफ मामला दर्ज करना चाहिए।

## तालिबान के साथ भारत ने की पहली औपचारिक बैठक



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने तालिबान के साथ औपचारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी है. कतर में भारतीय राजदूत दीपक मित्तल ने तालिबान के नेता शेर मोहम्मद अब्बास स्तानिकजई से भारतीय दूतावास में ही मुलाकात की.अमेरिका के अफगानिस्तान में युद्ध समाप्ति के ऐलान के साथ ही भारत ने अफगानिस्तान के नए शासक तालिबान से बातचीत शुरू कर दी है. पहले भी ऐसी खबरें आई थीं कि भारतीय अधिकारी तालिबान के संपर्क में हैं लेकिन भारत सरकार ने इसकी पुष्टि नहीं की थी. 15 अगस्त को काबुल पर नियंत्रण के बाद यह भारत का तालिबान के साथ पहला आधिकारिक संपर्क है. विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, ठआज कतर में भारत के राजदूत दीपक मित्तल ने दोहा में तालिबान के राजनीतिक दफ्तर के प्रमुख शेर मोहम्मद अब्बास स्तानिकजई से मुलाकात की. तालिबान के आग्रह पर यह बैठक भारत के दूतावास में हुई.ङ कई मुद्दों पर हुई बात विदेश मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में भारतीयों की वापसी समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई. बयान में कहा गया, ठबातचीत रक्षा, सुरक्षा और अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों की जल्दी वापसी पर केंद्रित रही।भारत आना चाह रहे अफगान नागरिकों, खासकर अल्पसंख्यकों की यात्रा का मुद्दा भी उठा.ङ तस्वीरों मेंः मिशन काबुल भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारतीय राजदूत दीपक मित्तल ने आतंकवाद का मुद्दा भी उठाया. मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, ठराजदूत मित्तल ने भारत की यह चिंता भी जाहिर की कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी सूरत में भारत के खिलाफ या आतंकवाद के लिए नहीं होना चाहिए. तालिबान के प्रतिनिधि ने भारतीय राजदूत को भरोसा दिलाया कि इन चिंताओं का ध्यान रखा जाएगा.ङ दीपक मित्तल भारत के वरिष्ठ कूटनीतिज्ञ हैं. वह विदेश मंत्रालय में जॉइंट सेक्रटरी रह चुके हैं. इंडियन एक्सप्रेस अखबार मुताबिक भारतीय विदेश मंत्रालय में मौजूदा जॉइंट सेक्रटरी (पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान) जे पी सिंह के साथ मित्तल पहले भी दोहा में तालिबान नेता अब्दुल्ला अब्दुल्ला से मिले थे।

## खबर संक्षेप

### विद्युत कटौती से चंपापुर पावर हाउस के उपभोक्ताओं में आक्रोश तालाबंदी की चेतावनी

**जंघई।** क्षेत्र के चंपापुर फीडर से दर्जनों गावों में विद्युत आपूर्ति होती है इन गाँव के हजारों लोग इन दिनो बिजली के अनियमित कटौती से हैरान व परेशान है। विद्युत कटौती रात्रि और दिन में भी की जा रही है जिसके कारण ग्रामीण बेचैन है नियमानुसार बिजली न आना बार बार बिजली कटौती से ग्रामीणों को इस उमस भरी गर्मी मे रात भर जागने के लिए विवश कर रहा है।किसानों को अपनी धान की फसलों को सिंचाई करने में समस्या आ रही है ग्रामीणों ने विद्युत कटौती रोकने की मांग की है।अनियमित रोस्टर से ग्रामीणों में आक्रोश है बार बार अधिकारियों से नियमित रोस्टर करने के लिए कहा जाता है लेकिन अनसुना कर देते है जिसके कारण ग्रामीणों मे असंतोष व्याप्त है।चंपापुर फीडर से जंघई, चौका, चनेथू, नेदुला, पतवां, पतैंया, जलालपुर, रस्तीपुर, सोरों, खखैचा, महरछा, झारी, पिलखिनी, भूलेंद्र,अनुवां, बजती, बघेड़ी, सरजूपट्टी आदि गाँवों में विद्युत सप्लाई होती है।ग्रामीणों ने कहा है कि अगर विद्युत आपूर्ति सुचारू ढंग से नहीं होगी तो उपभोक्ता पावर हाउस पर तालाबंदी करेंगे।

# हाईवे पर अंतर्राज्यीय ट्रक लुटेरे गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

## लूट के ट्रक सहित 40 लाख कीमत का चावल हुआ बरामद

पुलिस की गिरफ्त में अंतराज्यीय ट्रक लूटेरे गिरोह के सदस्य व लूट का बरामद ट्रक।

**घूरपुर।** विगत माह घूरपुर क्षेत्र में ट्रक लूटने के दो वारदात कर लुटेरों ने पुलिस महकमें मे सनसनी फैला दी थी। इनका पदार्फाश करना पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी कि बुधवार के दिन घूरपुर पुलिस ने हाईवे पर अंतर्राज्यीय ट्रक लुटेरे गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर पदार्फाश कर दिया। साथ ही लुटेरों के पास से लूट का एक ट्रक व 40 लाख कीमत का 4 सौ 10 बोरी चावल बरामद कर जेल भेज दिया। बुधवार की सुबह इरादतगंज हाईवे पट्टी पर ट्रक लूटने के फिराक में खड़े होने की मुखबिर की सूचना पर एसओ राजेश उपाध्याय ने मय फोर्स घेराबंदी की तो पुलिस टीम देखते ही लुटेरे भागने लगे। पुलिस टीम ने दौड़ा कर तीनो अंतर्राज्यीय ट्रक लुटेरे मोहम्मद इरफान पुत्र जैनुद्दीन निवासी सुल्तानपुर खास, मऊ आईमा, रंजीत कौशल उर्फ मंच्चू पुत्र अशोक कौशल पावर हाउस के पास मऊ आईमा, सतीश कुमार सिंह उर्फ मनि सिंह पुत्र रेवती रमन सिंह निवासी सलारपुर थाना नेवढ़िया जौनपुर को गिरफ्तार कर लिया। कर्रा करने पर लुटेरों के निशानदेही पर लूट का 12 चक्का का एक ट्रक व 410 बोरी 40 लाख कीमत की चावल बरामद किया। पुलिस ने मामले में तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया।

### 30 दिन के अंदर दो ट्रक लूट कर फैला दी थी सनसनी

पकड़े गए ट्रक लुटेरो ने घूरपुर इलाके के हाईवे पर 30 दिन में दो ट्रक लूट की वारदात कर पुलिस महकमें मे सनसनी फैला दी थी। बीते 26 जुलाई की रात बादलगंज हाईवे के यमुनाद्वार के पास से 410 बोरी चावल लदा बारह चक्का ट्रक के चालक को तमंचा सटा ट्रक लूट फरार हो गए और चालक को करमा रोड पर एक पेड़ मे बांध दिए थे। इसी तरह बीते 27 अगस्त को गौहनिया ओवर ब्रिज के पास से तमंचा सटा ट्रक लूट लिए थे।

### तीन माह एमपी मे लूटने के बाद प्रयागराज मे जमा लिया अड्डा

पकड़े गए अंतर्राज्यीय लुटेरे बहुत ही शातिर है। पकड़े गए लुटेरों ने पुलिस को बताया कि इसके पूर्व मध्य प्रदेश में ट्रक लूटने का कार्य किया जा रहा था। तीन माह तक लूट के कई वारदात कर चुके थे। जिससे वहां की पुलिस पीछे लग गई थी। एमपी के पुलिस से बचने के लिए घूरपुर इलाके में गिरोह ने अपना ठौर पर ट्रक लूट की घटनाओं को अंजाम देने लगे थे। शातिर लूटेरे हर चार पांच माह बाद लूट का इलाका बदल देते थे। जिससे पुलिस के चगुल से बच निकलते थे।

### मुख्य सरगना फरार, तीन वर्ष से तौफीक संचालित कर रहा गिरोह

पकड़े गए ट्रक लूटेरों का सरगना तौफीक है। जो फरार है। इसके गिरोह में आठ सदस्य है। जो इस समय सरगना सहित अन्य पांच फरार है। जिनको पकड़ने के लिए पुलिस टीम सुराग लगा रही है। इसका गिरोह तीन वर्ष हाईवे पर ट्रक लूटने का अंजाम दे रहे हैं। लेकिन पहली बार पुलिस के गिरफ्त में आए हैं। गिरोह के सभी सदस्यों की उम्र बीस से तीस वर्ष के बीच की है।

## न्यूज झरोखा

### एसडीएम ने गौशाला का किया औचक निरीक्षण

**लेड़ियारी।** उप जिलाधिकारी कोराँव ने गो वंश आश्रय स्थल पवाँरी का औचक निरीछण कर पशुओं के रख रखाव,भूषा ,चारे आदि की व्यवस्था का अवलोकन किया। एस डी एम कोराँव अभिनव कनौजिया बुधवार को गो वंश आश्रय स्थल पवाँरी पहुँच कर पशुओं को देखा ,जहाँ 66 गो वंश छमता के अनुसार मौजूद थे।उन्होंने प्रधान प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह से पशुओं के लिए पीने के लिए पानी की टंकी तथा भूसा घर बनाने के लिए कहा ।उप जिलाधिकारी ने उक्त गो वंश आश्रय स्थल समरसेबुल,भूषा ,पशुओं के रहने के लिए सेड आदि को देखकर संतोष प्रकट किया।उक्त मौके पर प्रधान प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह के अलावा रोजगार सेवक मुरारीलाल गुप्ता तथा सभी गोपालक मौजूद थे।

### बी एल सिंह स्कूल में हवन पूजन के साथ कक्षाएं संचालित

**घूरपुर।** कोविड 19 महामारी के चलते प्रदेश सरकार द्वारा एक सितम्बर से नर्सरी कक्षाएं संचालित किए जाने के आदेश के क्रम में बुधवार के दिन क्षेत्र के पूरेखगन गांव स्थित बी एल सिंह उ. मा. माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों छात्रों ने महामारी से रक्षा व विश्व कल्याण के लिए विद्यालय के प्रांगण में पंडित के द्वारा वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजन हवन कर प्रांगण को सुगंधित व स्वच्छ वातावण करते हुए कक्षाएं संचालित कर मिशाल पेश किया है। विद्यालय के संरक्षक पुष्पराज सिंह प्रबंधक नागेंद्र सिंह ने ईश्वर से महामारी से रक्षा एवं कल्याण की कामना की। पूजन हवन के दौरान छात्रों सहित शिक्षकों मे प्रधानाचार्य विनय कुमार शर्मा, इंद्रजीत कुशवाहा,जगत बहादुर सिंह, पवन कुमार गुप्ता, रेनू सिंह, अर्चना, कोमल पांडेय सहित अभिभावक मौजूद रहे।

### पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी सपा : शाहबाज हक

**करछना।** मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रवक्ता एवं युवा समाजवादी नेता शाहबाज हक ने कहा की भाजपा सरकार ने हर वर्ग को छला है। जनता आगामी विस चुनाव 2022 में सपा की बहुमत की सरकार बनाएगी। उन्होंने आवाहन करते हुए कार्यकताओं से कहा कि युवा कमर कस ले और चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हर वर्ग को छला है इसलिए जनता ने भाजपा को आईना दिखाने की ठान लिया यह बातें शाहबाज हक ने करछना स्थित बेला चौराहे पर पार्टी कार्यकताओं की बैठक में कहीं उन्होंने कहा कि युवाओं महिलाओं किसानों व्यापारियों का ध्यान व लगाओ सपा की ओर है उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अखिलेश यादव की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है हक ने बैठक में विस चुनाव के लिए युवाओं में जोश भरा और चुनावी टिप्स दिए पूर्व जिला महासचिव यूथ ब्रिगेड गुलाम मुस्तफा ने कहा कि अखिलेश यादव एक बार फिर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे तो यह प्रदेश देश का सबसे विकसित राज्य बनेगा इस दौरान गंगा सिंह यादव श्याम श्रीवास्तव मो० सैफ पंकज यादव मोहित तिवारी हिमांशु मिश्रा पंकज यादव जय सिंह यादव राहुल राज करण सिंह यादव पिंटू महासचिव सारी लाल यादव यादव असलम पठान भारी संख्या में उपस्थित रहे।

# प्रमुख करछना ने आवास लाभार्थियों को सौंपा ताला-चाभी

अखंड भारत संदेश

## 120 पात्रों को सौंपा गया आवास का मालिकाना हक

लाभार्थियों को आवास की चाभी सौंपती प्रमुख सरोज द्विवेदी।

**करछना।** विकास खंड करछना के ग्राम पंचायतों में पक्के घर से वंचित गरीब परिवार के लोगों को बुधवार को ब्लाक मुख्यालय करछना मे आयोजित एक कार्यक्रम में 120 लोगों को ब्लाक प्रमुख सरोज द्विवेदी के कर कमलों द्वारा उन्हे निर्मित प्रधानमंत्री आवास आवंटन के लाभार्थियों को ताला और चाभी देकर पक्के मकान का मालिकाना हक सौपा गया, इस बीच आयें हुए सभी आवास आवंटन के लाभार्थियों खंड विकास अधिकारी करछना जितेन्द्र कुमार, एडीओ आई एस बी प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी, संतोष पांडेय सहित लोग उपस्थित लाभार्थियों को सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित अल्प नरायन सिंह ओपी सिंह पटेल, वीडियो करछना, एडीओ पंचायत विवेक कुमार पाण्डेय, मोहम्मद फिरोज, संजय यादव, सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे ।कार्यक्रम के समापन पर ब्लाक प्रमुख सरोज द्विवेदी ने सभी लाभार्थियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया ।

### शुआट्स वैज्ञानिकों ने दी किसानों को सलाह, इस सप्ताह वर्षा के आसार

**नैनी।** सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) में चल रहे ग्रामीण कृषि मौसम सेवान्तर्गत भारत सरकार से मंगलवार को प्राप्त पूवार्नुमान के अनुसार वैज्ञानिकों ने 1 सितंबर, 3, 4 व 5 सितंबर को वर्षा के आसार व्यक्त करते हुए कृषकों को सलाह दी है कि धान की रोपाई के 20-25 दिन बाद , अधिक उपज वाली प्रजातियों में प्रति हेक्टयर 30 किग्रा नाइट्रोजन ( 65 किग्रा यूरिया ) तथा सुगन्धित प्रजातियों में प्रति हेक्टयर 15 किग्रा नाइट्रोजन ( 33 किग्रा यूरिया ) की टाप ड्रेसिग कर दें । धान में नाइट्रोजन की इतनी ही मात्रा की दूसरी व अन्तिम टाप ड्रेसिग रोपाई के 50-55 दिन बाद करनी चाहिए । ज्वार की संकर / उन्नत प्रजातियों में विरलीकरण ( थिनिंग ) क्रिया के बाद प्रति हेक्टयर 50-60 किग्रा नाइट्रोजन ( 108-130 किग्रा यूरिया ) की दूसरी व अन्तिम टाप ड्रेसिंग बोआई के 30-35 दिन बाद करें । मूंग / उर्द पीला मोजक रोग की रोकथाम के लिए डाईमेथोएट 30 ई 0 सी या मिथाइल - ओ - डिमेटान 25 ई 0 सी 0 की एक लीटर मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोल कर आवश्यकतानुसार 10-15 दिनों के अन्तराल पर 3-4 छिड़काव करें । फूलगोभी में प्रति हेक्टयर 200-250 कुन्तल सड़ी गोबर की खाद या 80 कुन्तल नादेप कम्पोस्ट खेत की तैयारी के समय तथा 40 किग्रा नाइट्रोजन , 60 किग्रा फास्फेट तथा 40 किग्रा पोटाश अन्तिम जुताई से पूर्व खेत में अच्छी तरह मिला दें । आम में शल्क कीट तथा शाखा गाँठ कीट के रोकथाम के लिए मिथाइल पैराथियान ( एक मिली दवा प्रति लीटर ) या डाई मेथोएट ( 1.5 मिली दवा प्रति लीटर पानी ) में से किसी एक दवा का 15 दिनों के अन्तराल पर बदलकर दो बार छिड़काव करें । एक आम के पेड़ के लिए लगभग 30 लीटर घोल की आवश्यकता पड़ती है । नये आये पशुओं तथा अवशेष पशुओं में गलाघोंटू का टीका लगवायें । लीवर फ्लूक के लिए दवा पिलायें । अंडे के लिए नये चूजे द्वारा मुर्गियाँ पालने के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है , परन्तु ब्रायलर के लिए मुर्गियाँ पालें ।

# वित्तविहीन शिक्षकों का धरना चार सितंबर को

अखंड भारत संदेश

**करछना।** उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्तविहीन गुट प्रयागराज शिक्षक विधायक व संघ के प्रदेश अध्यक्ष माननीय लाल बिहारी यादव के निर्देश पर प्रदेश कार्यसमिति के अनुसार प्रदेश व्यापी धरना आगामी 4 सितंबर 2021 दिन शनिवार को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय प्रयागराज के समक्ष अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से धरना देकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन को संबोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से सौपेगा ।ज्ञात हो कि प्रदेश सरकार ने संपूर्ण उत्तर प्रदेश के 21 हजार माध्यमिक वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के प्रति उदासीन रवैया अपनाकर 3.5 लाख शिक्षक एवं कर्मचारियों को बिल्कुल असहाय बना दिया है। सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली वर्तमान सरकार ज्ञान प्रदाता शिक्षकों के साथ खुला सौतेला व्यवहार कर रही है। पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार द्वारा दिया गया प्रोत्साहन मानदेय का भी कोई अता पता नहीं है। सरकार ने वित्तविहीन शिक्षकों के साथ हठ वादी रवैया अपनाकर समाज में सम्मानजनक ढंग से जीने का हक भी छीन लिया है। वर्षों से मानदेय सेवा नियमावली मान्यता की धारा में परिवर्तन जैसे मुद्दों के साथ कोरोना में मारे गए शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को नौकरी एवं अनुदान तथा पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा ठंडी बस्ते में डाल दिया है। बेसहारा शिक्षक अपने भरण-पोषण चिकित्सा तथा शादी विवाह करने में बिल्कुल पंगु हो गया है। प्रदेश के लाखों शिक्षकों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने के अलावा सरकार अपने निरंकुशता का परिचय दे रही है। जनपद के समस्त प्रबंधकों प्रधानाचार्यों शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से कोरोना नियमों का पालन कराते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर समय 11:00 बजे पहुंचने की अपील की गई है। उक्त आशय की जानकारी संघ के जिला मीडिया प्रभारी जेपी यादव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति मे दी गयी है। अपील करने वालों में संघ के जिला अध्यक्ष ननकेश बाबू ,मंडल अध्यक्ष अभय राज सिंह ,उपाध्यक्ष फूलचंद कनौजिया ,बालेंद्र गौतम ,नवीन शुक्ला, गोविंद प्रसाद ,सीता शरण सिंह ,बुधराम यादव, मान सिंह पटेल, रवि करन ,जेपी यादव अमर बहादुर यादव ,कमल चंद प्रेमचंद ,सीबी यादव ,अमर चंद गुप्ता, शिव मोहन, त्रिभुवन ,भुवाई लाल यादव अवधेश श्रीवास्तव, इंद्र बहादुर कुशवाहा ,महेंद्र द्विवेदी ,सी पी मिश्रा, शिव मूरत पटेल ,शैलेंद्र कुमारी मौर्य, मदन मुरारी श्रीवास्तव प्रमुख रूप से हैं।

### कल्याण सिंह को भाजपाईयों ने दी श्रंद्धाजलि

**प्रतापपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का श्रद्धांजलि कार्यक्रम जंघई मंडल के अनुवां सेक्टर में आरएसएस प्रमुख चंद्रशेखर पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला मंत्री दिलीप यादव, मंडल अध्यक्ष संदीप तोगड़िया सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों पूर्व पदाधिकारियों सहित सभी सेक्टर के पदाधिकारियों मंडल के सभी पदाधिकारियों सभी मोर्चों के पदाधिकारियों पूर्व मंडल अध्यक्षो ने कल्याण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि दिया।वक्ता के रूप में उपस्थित शारदा पाठक, मुकुंद लाल मौर्या, मनोज आचार्य, दिनेश चंद पांडेय, सभाजीत मिश्रा, रमेश केसरवानी, डॉ विजय शंकर शुक्ला, कृपा शंकर श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ भाजपा व आरएसएस के कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त किया।

# मिशनशक्ति : महिलाओं व बच्चियों को किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

चौकी प्रभारी गन्ने ने रूम, बांसी, सीध टिकट व गन्ने की महिलाओं को जागरुक करते

**जारी, प्रयागराज।** महिला कल्याण विभाग से संचालित मिशनशक्ति के तहत नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वालम्बन व आत्मनिर्भर बनाने हेतु उन्हें जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे हर तरह की हिंसात्मक क्रिया-कलापो का वखूबी तरीके से सामना कर सके। महिलाओं व बच्चियों को जागरूक करने हेतु सामाजिक संगठनों के अलावा प्रशासन के सभी विभागों को लगाया गया है जिसमे पुलिस प्रशासन अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उसी कड़ी में बुधवार को बारा थाना अंतर्गत गन्ने चौकी प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र के बांसी, गन्ने, सीध टिकट व रूम गांव की महिलाओं व बच्चियों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं व बच्चियों के साथ हो रहे अपराध को रोकने के लिए पुलिस सदैव तत्पर है उसके लिए आपको भी पुलिस की मदद करनी होगी। किसी तरह की समस्या होने पर आपलोग तुरन्त पुलिस को सूचित करें व सही बात बताएं।

# वैक्सीनेसन केन्द्र पर ग्रामीणों को लगवाया टीका

वैक्सीनेशन केन्द्र पर वैक्सीन लगवाते ग्रामीण

### कोरोना को हराने मे वैक्सीन की भूमिका अहम : डॉ नेहा वर्मा

**घूरपुर।** जसरा व चाका विकास खण्ड के ददरी, डभाव, बसवार, अमिलिया, पालपुर, मोहद्दीनपुर, बादलगंज, आदि गावों मे बुधवार के दिन वरिष्ठ महिला चिकित्सक एवम एसोसिएट प्रोफेसर महामाया मेडिकल कालेज की डॉ नेहा वर्मा के नेतृत्व मे ग्रामीणों को टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर श्रीमती डॉ वर्मा नें बताया कि भारत मे बनी वैक्सीन पूरी तरह सफल एवम सुरक्षित हैं। अफवाहों पर ध्यान न देते हुए सभी लोग सर्वप्रथम स्वयं वैक्सीन लगवायें एवम अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। इस अवसर पर डॉ वर्मा नें यह भी जानकारी देते हुए बोली कि आगामी 05सितंबर विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर करछना ब्लाक के भस्मा अरई मे उनके संस्थान द्वारा बड़े पैमाने पर ग्रामीणों मे सोलर एवम मेधावी बच्चों को निःशुल्क कापी, बैग के साथ फलदार एवम छायाकार पेड़ वितरित किया जाएगा। साथ ही डॉ वर्मा नें यह भी जानकारी देते हुए बोली कि तीन सितंबर को पूरे सामान के साथ इंजिनियर दल उक्त गाँव मे पहुंच जाएंगे साथ ही ग्रामीणों को सोलर के विषय मे भी जानकारी देंगें। बता दें कि डॉ नेहा वर्मा को प्रदेश सरकार के द्वारा मिशन शक्ति एवम सर्वश्रेष्ठ महिला चिकित्सक का भी सम्मान प्रदान किया जा चुका हैं।कार्यक्रम के अंत मे कल्याणी फाउंडेशन की संयोजक डॉ अनु वर्मा नें 05सितंबर को सभी लोगों से कार्यक्रम मे सम्मिलित होनें की भी अपील की हैं।उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय ग्राम प्रधान अशोक कुमार पटेल जी करेंगे।

अखंड भारत संदेश

**करछना।** सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करछना की टीम ने मंगलवार को विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत हथसरा में वैक्सीनेसन शिविर का आयोजन कर 250 ,लोगों को कोविड का टीका करण किया ।टीका कारण शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं सहित सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, अनलाइन प्रक्रिया में बिलम्ब होने से वैक्सीनेसन शिविर में लोगों को लम्बा इन्तजार करना पड़ा, देर शाम तक मात्र 250 का लक्ष्य पूरा हो सका, वही बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन की कमी की वजह से घंटो लाइन में लगने के बाद निराश होकर लौट गयें । जिन्हे गांव के प्रधान शिव गणेश पटेल ने अश्वशत किया कि जल्द ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करछना के अधीक्षक से बात करके दूबारा कैम्प लगवाया जायेगा जिससे जो लोग टीका करण से वंचित रह गयें हैं उनका भी टीका करण किया जायेगा ।

# ग्रामीण लाभार्थियों को सौंपी गई उनके घर की ताला चाभी

अखंड भारत संदेश

मुख्य अतिथि प्रमुख गीता सिंह ने वितरित किया आवास की चाभी

**सहसों।** प्रधान मंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत ग्रामीण लाभार्थियों को नवनिर्मित भवनों के गृह प्रवेश के लिए ताला चाबी उनके हाथों में सौंपी गई। अपने अपने घरों की ताला चाभी पाकर लाभार्थियों के मन प्रफुल्लित हो उठे उनके अपने एक घर का सपना साकार हो गया। इसी के तहत विकासखण्ड सहसों में बुधवार को नवनिर्मित आवास के गृह प्रवेश के लिए लाभार्थियों को उनके हाथों में घर की चाभी का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख गीता सिंह के कर कमलों द्वारा सौ लाभार्थियों को उनके अपने घर की ताला चाभी को उनके हाथों में दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने इस कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा मोदी जी के नेतृत्व में सरकार हमेशा गरीबों के प्रति समर्पित है सरकार की मंशा है कि जितना अधिक से अधिक हो सके लाभार्थियों को उनका लाभ मिल सके। वह चाहे आवास हो खाद्यान्न हो या अन्य कोई योजना हो सब के प्रति सरकार खुले भाव से लाभार्थियों को उनका लाभ देने के लिए कटिबद्ध है। इस अवसर पर प्रभारी वीडियो निखिल मोहन, शिव गोविंद पटेल एडीवो आईएसबी, मारकंडे सिंह जे ई आर ई डी, ग्राम पंचायत अधिकारी राजेश सिंह, समस्त ग्राम सचिव, विजय बाबू , शिव नारायण सिंह गप्पू समाजसेवी, दीपक वर्मा, रवि भारतीय आदि रहे।

## खबर संक्षेप

### दीपक बिंद पुलिस पर कर चुका है हमला, थाने से हो चुका है फरार

**नैनी।** पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर अपराधी दीपक बिंद उर्फ प्रधान के खिलाफ नैनी कोतवाली, औद्योगिक क्षेत्र समेत कई अन्य थानों में लगभग 18 मुकदमें पंजीकृत हैं। बीते कुछ वर्ष पूर्व मां दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान उसने अपने साथियों के संग पुलिस पर भी हमला कर चुका है। इतना ही नहीं बीते कुछ माह पूर्व पुलिस उसे हिरासत में लेकर औद्योगिक क्षेत्र थाने पहुंची थी। जहां पर उसने लघुशंका करने के बहाने पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था।

### मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश अब 20 सितंबर तक

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 सितंबर 2021 कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सभी जागरूकता, प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा व स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की तिथि बढ़ा दी गई है।

# केंद्र गाय को घोषित करे राष्ट्रीय पशु : हाई कोर्ट

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि गाय का भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। गाय को भारत देश में मां के रूप में जाना जाता है और देवताओं की तरह उसकी होती पूजा है। इसलिए गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गाय के संरक्षण को हिंदुओं का मौलिक अधिकार में शामिल किया जाए। भारतीय शास्त्रों, पुराणों व धर्मग्रंथ में गाय के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कोर्ट ने कहा कि भारत में विभिन्न धर्मों के नेताओं और शासकों ने भी हमेशा गो संरक्षण की बात की है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 48 में भी कहा गया है कि गाय नस्ल को संरक्षित करेगा और दुधारू व भूखे जानवरों सहित गौ हत्या पर रोक लगाएगा। भारत के 29 राज्यों में से 24 में गौ हत्या पर प्रतिबंध है। गौ हत्या के आरोपी जावेद की जमानत अर्जी नामंजूर करते हुए न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने कहा कि सरकार को संसद में बिल लाकर गाय को मौलिक अधिकार में शामिल करते हुए राष्ट्रीय पशु घोषित करना होगा और उन लोगों के विरुद्ध कड़े कानून बनाने होंगे, जो गायों को नुकसान पहुंचाते हैं। कोर्ट ने कहा कि जब गाय का कल्याण तभी इस देश का कल्याण होगा। कोर्ट ने कहा कि गाय के संरक्षण, संवर्धन का कार्य मात्र किसी एक मत, धर्म या संप्रदाय का नहीं है बल्कि गाय भारत की संस्कृति है और संस्कृति को बचाने का काम देश में रहने वाले हर एक नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म की उपासना करने वाला हो, की जिम्मेदारी है।

कोर्ट ने कहा कि हमारे सामने ऐसे कई उदाहरण हैं जब हम अपनी संस्कृति को भूले हैं तब विदेशियों ने हम पर आक्रमण कर गुलाम बनाया है।आज भी हम न चेते तो अफगानिस्तान पर निरंकुश तालिबानियों का आक्रमण और कब्जे को हमें भूलना नहीं चाहिए।

### मांस खाना मौलिक अधिकार नहीं

कोर्ट ने कहा गो मांस खाना किसी का मौलिक अधिकार नहीं है। जीभ के स्वाद के लिए जीवन का अधिकार नहीं छीना जा सकता। बूढ़ी बीमार गाय भी कृषि के लिए उपयोगी है। इसकी हत्या की इजाजत देना ठीक नहीं। यह भारतीय कृषि की रीढ़ है। कोर्ट ने कहा 29 में से 24 राज्यों में गोवध प्रतिबंधित है। एक गाय जीवन काल में 410 से 440 लोगों का भोजन जुटाती है और गोमांस से केवल 80 लोगों का पेट भरता है। महाराजा रणजीत सिंह ने गो हत्या पर मृत्यु दण्ड देने का आदेश दिया था। कई मुस्लिम व हिंदू राजाओं ने गोवध पर रोक लगाई। मल मूत्र असाध्य रोगों में लाभकारी है। गाय की महिमा का वेदों पुराणों में बखान किया गया है। रसखान ने कहा जन्म मिले तो नंद के गायों के बीच मिले। गाय की चर्बी को लेकर मंगल पाण्डेय ने क्रांति की। संविधान में भी गो संरक्षण पर बल दिया गया है। कोर्ट ने कहा गाय को मारने वाले को छोड़ा तो फिर अपराध करेगा। कोर्ट ने संभल के जावेद की जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

### केशव प्रसाद मौर्य के फर्जी डिग्री केस में फैसला सुरक्षित

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की कथित फर्जी डिग्री मामले में एसीजेएम कोर्ट प्रयागराज ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला रिजर्व कर लिया है। अदालत में बुधवार को एसएचओ कैंट ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट दाखिल कर दी है। याची अधिवक्ता उमाशंकर चतुर्वेदी की बहस सुनने के बाद एसीजेएम कोर्ट ने फैसला रिजर्व कर लिया है। कोर्ट अब मामले में चार सितंबर को अपना फैसला सुनायेगी।

### एसएचओ कैट ने जमा की जांच रिपोर्ट

दरअसल, डिप्टी सीएम की कथित फर्जी डिग्री को लेकर दाखिल अर्जी पर एसीजेएम नम्रता सिंह ने प्रारंभिक जांच का आदेश दिया था। उन्होंने दो बिंदुओं पर एसएचओ कैंट से प्रारंभिक जांच कर रिपोर्ट भी मांगी थी। अर्जी में आरोप लगाया गया है कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री फर्जी है। इस आधार पर कोर्ट ने उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष की हिंदी साहित्य सम्मेलन की डिग्री की जांच का आदेश दिया था। इसके साथ ही हाईस्कूल के फर्जी सर्टिफिकेट पर पेट्रोल पंप हासिल करने के मामले में भी जांच का आदेश दिया था। एसीजेएम कोर्ट ने प्रियंका श्रीवास्तव बनाम स्टेट ऑफ यूपी के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर ही प्रारंभिक जांच का आदेश दिया था। 19 मार्च 2015 को सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दीपक मिश्रा ने इस मामले में फैसला दिया था।

### चुनाव के हलफनामे में फर्जी सर्टिफिकेट लगाने का आरोप

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर चुनाव के हलफनामे में फर्जी सर्टिफिकेट लगाने का आरोप है। इसके साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर फर्जी डिग्री लगाकर 5 अलग-अलग चुनाव लड़ने का भी आरोप है। अर्जी में कहा गया है कि उन्होंने फर्जी डिग्री के आधार पर ही पेट्रोल पंप भी हासिल किया है। आरटीआई एक्टिविस्ट और वरिष्ठ भाजपा नेता दिवाकर त्रिपाठी की ओर से अर्जी दाखिल की गई है।

### निर्वाचन रद्द करने व पेट्रोल पंप का आवंटन भी निरस्त करने की मांग

भाजपा नेता दिवाकर त्रिपाठी ने अर्जी दाखिल कर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर गंभीर आरोप लगाया है कि उन्होंने फर्जी डिग्री लगाकर 5 अलग-अलग चुनाव लड़े। इसके साथ ही फर्जी डिग्री के आधार पर ही पेट्रोल पंप भी हासिल किया है। अर्जी में इस आधार पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का निर्वाचन रद्द करने और पेट्रोल पंप का आवंटन भी निरस्त करने की मांग की गई है। अर्जी में कहा गया है कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने 2007 में शहर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधानसभा चुनाव लड़ा था।

# चरित्र पर न लगे दाग, रिश्तेदार से करा दी ससुर की हत्या

## नैनी हत्याकांड : बहू ने दी थी दो लाख रुपए की सुपारी, गिरफ्तार, गोली मारने वाला आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर

अखंड भारत संदेश

**नैनी।** जन्माष्टमी की रात रिटायर्ड किला कर्मी की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी बहू को गिरफ्तार कर मामले का पटाक्षेप कर दिए। जबकि गोली मारने वाला आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर है और उसकी तलाश में गठित टीम ताबड़तोड़ दबिश देने में जुटी हुई है।

बता दें कि नैनी कोतवाली क्षेत्र के काजीपुर मोहल्ले के रहने वाले बनारसी लाल (63) बीते लगभग तीन वर्ष पूर्व 508 किला से रिटायर्ड कर्मचारी थे। लगभग चार माह पूर्व इनकी पत्नी का देहांत हो गई थी। वहीं इनका इकलौता पुत्र दीपक कुमार वर्मा मीरजापुर जिले में स्थित एक महाविद्यालय में बतौर कर्मचारी पद पर तैनात है। सोमवार जन्माष्टमी की रात मौका पाते ही हत्यारों ने बनारसी लाल की उस समय हत्या कर दी थी, जब वह अपने ऊपरी मंजिल कमरे में गहरी नींद में सो रहे थे। पुलिस ने पुत्र की तहरीर मिलने पर अज्ञात हत्यारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल करने में जुटी हुई थी। पुलिस ने शक के आधार पर परिजनों से पूछताछ शुरू की तो चौंकाने वाले परिणाम सामने आया। पुलिस के मुताबिक दीपक कुमार की पत्नी सुषमा ने बताया कि उसके ससुर की नियत उसके प्रति अच्छी नहीं थी। आए दिन जब कभी भी मौका मिलता वह उसके साथ छेड़खानी करने लगता था। इतना ही नहीं जबरन उससे संबंध बनाने का भी प्रयास करता था। जिससे वह अजीज आ चुकी थी। महिला के दूर के ही रिश्तेदार सुरेश कुमार वर्मा पुत्र स्वर्गीय सीता राम जो काजीपुर मोहल्ले में रहता है। उसने उससे मिलकर सारी बातों को बताया और दोनों ने रिटायर्ड किला कर्मी को हटाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्लान तैयार किए। महिला ने अपने ससुर को रास्ते से हटाने के लिए सुरेश कुमार वर्मा को दो लाख रुपए की सुपारी दे दी। सोमवार रात को जब सभी लोग कान्हा के जन्म उत्सव में खुशी मना रहे थे। तभी मौका पाते ही सुरेश वर्मा रिटायर्ड किला कर्मी बनारसी लाल के ऊपरी मंजिल स्थित कमरे में पहुंचा और तमंचे से गोली मारकर फरार हो गया। वहीं गोली लगने से बनारसी लाल की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर चालान कर दिए। जबकि गोली मारने वाला वांछित आरोपी सुरेश कुमार वर्मा पुलिस की पकड़ से दूर है। आरोपी की तलाश में आला अफसरों के निर्देश पर गठित एसओजी व पुलिस की टीम ताबड़तोड़ दबिश देने में जुटी हुई है।

### लाखों रुपए बच्चों व बहू के नाम ससुर ने बैंक में जमा कर दी थी

**नैनी।** रिटायर्ड कर्मी बनारसी लाल ने बीते कुछ माह पूर्व ही बहू के नाम दो लाख और उसके बच्चों के नाम लगभग सात लाख रुपए बैंक में जमा भी किया था। सूत्रों पर यदि यकीन करें तो जब बनारसी लाल अपने मकसद में कामयाब होता नहीं दिख रहा था, तो उसने बहू को हर हाल में हासिल करने के लिए योजना भी तैयार कर रखा था। जब छेड़खानी व जबरन संबंध नहीं बना तो, उसने पैसे की बल पर बहू के चरित्र के साथ घिनौना काम करने की साजिश रच डाली। इससे पहले वह अपने मकसद में कामयाब होता। वहीं उसकी बहू सुषमा ने ससुर का ही दो लाख रुपए सुपारी देकर हत्या करवा दी।

### बहू ने पहले से ही मेन दरवाजे की कुंडी खोल रखी थी

**नैनी।** आरोपी महिला अपने ससुर से इस कदर नफरत करती थी कि हर हाल में उसे रास्ते से हटाने के लिए सुपारी किलर के साथ मिलकर प्लान तैयार कर चुकी थी। जन्माष्टमी की रात उसने मेन दरवाजे की कुंडी को खोल रखा था। फरार आरोपी सुरेश वर्मा दबे पांव ऊपरी मंजिल पर पहुंचा और रिटायर्ड किला कर्मी बनारसी लाल की गोली मारकर हत्या कर दी।

### खुलासा करने वाली टीम इस प्रकार है

**नैनी।** इंस्पेक्टर सुजीत कुमार दुबे, एसओजी यमुनापार उपनिरीक्षक दिवाकर सिंह, हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश, कांस्टेबल मनीष वर्मा व महिला कांस्टेबल सोनिया गौतम शामिल हैं।

### फरार आरोपी को नहीं मिले हैं एक भी पैसे

**नैनी।** पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी महिला ने बताया कि वह किसी भी प्रकार का मोबाइल का प्रयोग फरार आरोपी से नहीं करती थी। वह आरोपी से घर के समीप गली में ही मुलाकात कर पूरी प्लान को तैयार कर रखा था और अपने ही ससुर की हत्या के एवज में उसने दो लाख रुपए में सौदा कर रखी थी। काम पूरा होने के बाद ही पैसे देने की बात बताई जा रही है। हालांकि पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

### पति से भी नाराज रहती है महिला

**नैनी।** अपने ही ससुर की हत्या की साजिश रचने वाली महिला को जब पुलिस ने गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की तो सूत्रों पर यदि हम यकीन करें तो वह अपने पति के भी व्यवहार से काफी परेशान रहती है। बताया जाता है कि उसका पति परिवार का भरण पोषण करने के लिए भी पैसे देने में आनाकानी करता चला आ रहा है। साथ ही वह नशे का आदि भी है। जिससे आए दिन महिला और उसके पति के बीच कहासुनी होती रहती है।

औद्योगिक क्षेत्र नैनी पुलिस ने दो शातिर चोर को गिरफ्तार कर बरामद 12 बाइकों के साथ पूरी टीम

# दो शातिर गिरफ्तार चोरी की 12 बाइक बरामद

अखंड भारत संदेश

**नैनी।** औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने लवायन खुर्द, चटकहना, अंतर्देशीय बंदरगाह के समीप बुधवार भोर में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 12 बाइक बरामद करने में भारी सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चालान कर दिए। जानकारी के मुताबिक बुधवार भोर में पुलिस को जरिए मुखबिर से सूचना मिली कि लवायन खुर्द, चटकहना, अंतर्देशीय बंदरगाह के समीप दो शातिर किस्म के अपराधी मौजूद हैं। सटीक सूचना मिलते ही उप निरीक्षक मनोज कुमार सिंह, नवीन कुमार सिंह, रवि कटियार, बलीराम कुमार, राहुल तोमर, हेड कांस्टेबल राजीव कुमार, उपेंद्र नाथ सिंह देवेश कुमार, कांस्टेबल राजेंद्र कुमार और अमित कुमार उक्त स्थान पर पहुंचे और घेराबंदी करते हुए दोनों शातिरों को गिरफ्तार कर थाने पर उठा लाए। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में शातिर अपराधी बेलवट गांव निवासी दीपक कुमार बिंद उर्फ प्रधान पुत्र स्वर्गीय राम किशून व करछना थाना क्षेत्र के बरई का डेरा, रोकनी निवासी सुनील सोनी उर्फ छुटकू पुत्र रमा शंकर सोनी हैं। इन दोनों की निशानदेही पर 12 चोरी की बाइक बरामद की गई है। यह दोनों इतने शातिर किस्म के अपराधी हैं कि मौका पाते ही बाइक को उड़ा देते हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिए।

# पूंजीवाद व्यवस्था के आगे समाजवाद दम तोड़ रहा है : बी पांडेय

अखंड भारत संदेश

**हंडिया।** पूंजीवाद व्यवस्था के आगे समाजवाद दम तोड रहा है। उक्त बातें बुधवार को बरौत बाजार में समाजवादी शिक्षक सभा के प्रेसवार्ता एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी शिक्षक के प्रो0 बी पांडेय ने कहीं। उन्होंने कहा कि पूंजीवाद व समाजवाद के बीच संघर्ष का परिवेश है। भारतीय संस्कृति का बोधन रखने वाले ही सांस्कृतिक की परिभाषा बता रहे हैं।कहां कि शिक्षक समाज के राजनिति और अर्थनीति की समस्त विकृतियों को मिटाकर उन्हें परिशुद्ध करने वाला महान शिल्पी होता है।इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी साफ सुथरी राजनीति के पुरोधा समाजवादी पार्टी के नेता रमेश चतुर्वेदी ने कहा कि धर्म तंत्र, राज तत्रं का एक पहलू हुआ करता था। परंतु आज धम्र को ही राजनीतिक का माध्यम बना लिया गया है। सिद्धांत विहीन राजनीति लोकतंत्र की गरिमा के प्रतिकूल है। कहां कि शिक्षा के महत्व को समाजवादी पार्टी के सुशिक्षित राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी बखूबी समझते हैं। किन्तु वर्तमान सरकार की गलत नीतियों से युवा वर्ग हताश व कुंठित है। शिक्षक दिवस के मौके पर भदोही जनपद में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यक्रम को सफल बनाने पर जोर दिया।इस अवसर पर शैलेश पांडेय, पूजा मिश्रा, अशोक मिश्रा, आदि लोगों ने संबोधित किया। इस मौके पर विप्र नाथ पाठक,उमेश जयसवाल , अनिल मिश्रा, नामवर तिवारी, मेवालाल मिश्रा, शिव लोचन पांडेय, सुभाष चतुर्वेदी, काशी राम पांडेय, विनय मिश्रा, अतुल पांडेय आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

समाजवादी शिक्षक सभा प्रेसवार्ता में मुख्य अतिथि प्रो. बी. पाण्डेय का स्वागत करते

## दो लाख के लालच में गंवाए 70 हजार

**नैनी।** घूरपुर थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर के रहने वाले आकाश शर्मा नामक युवक को गांव के ही एक व्यक्ति ने नैनी के मामा भांजा स्थित एक बैंक में पैसे जमा करने के लिए लगभग 70 हजार रुपए दिए थे। आकाश शर्मा के मुताबिक जब वह बैंक में पहुंचा तो उसके पीछे खड़े दो व्यक्तियों ने उसे अपने बातों की जाल में फंसा लिए और कागज ऊपर मात्र 500 का एक नोट रखकर काली पन्नी में उसे यह कहकर दो लाख रुपए दे दिए कि उन लोगों के पास आधार कार्ड नहीं है। जिससे वह अपने रुपए को जमा नहीं कर पा रहे हैं। वह इन रुपयों को अपने खाते में जमा कर दें। इसी लालच में आकर आकाश शर्मा ने उनसे वह रद्दी कागज से भरे काली पन्नी को ले लिया और जो उसके पास हजारों रुपए थे उन्हें वह दे दिया। बताया जाता है कि जैसे ही उक्त दोनों ने 70 हजार रुपए पाए वह एक चार पहिया बिना नंबर की वाहन से रफूचक्कर हो गए। जब युवक ने पन्नी को खोला तो उसमें कागज की रद्दी मिले।

# गृहकर में दी जाने वाली छूट खत्म आखरी दिन जमा हुए एक करोड़

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** नगर निगम की ओर से गृहकर में दी जाने वाली 10 प्रतिशत की छूट मंगलवार को समाप्त हो गई। अब पहली सितंबर यानी बुधवार से छह प्रतिशत की छूट गृहकर में दी जाएगी। छूट का आखिरी दिन होने की वजह से इस दिन भवन स्वामियों में गृह कर जमा करने की होड़ मची रही। देर शाम तक एक करोड़ रुपये से अधिक गृह कर के रूप में जमा कराए गए।

गृह कर में दी जाने वाली पारंपरिक छूट मंगलवार को समाप्त हो गई। महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने इसकी पुष्टि की। छूट की समाप्ति होने से पहले भवन स्वामियों ने दिन भर गृह कर जमा कराए। नगर निगम प्रशासन के मुताबिक अब सितंबर माह से छह प्रतिशत की छूट गृह कर में दी जाएगी। उधर, भाजपा पार्षद किरन जायसवाल ने नगर निगम के इस फैसले को कोविड काल में अनुचित करार दिया। उनका कहना है कि कोरोना काल में लोगों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है। बच्चों की फीस के लिए भी लोगों को भटकना पड़ रहा है। ऐसे में गृहकर में छूट वापस नहीं लेनी चाहिए थी। इसी तरह सर्व दलीय पार्षद पूर्व पार्षद संघर्ष समिति के संयोजक शिव सेवक सिंह ने भी नगर निगम के इस कदम की आलोचना की। उनका कहना है कि इस बार अप्रैल की बजाए मई के अंत में छूट की व्यवस्था लागू की गई थी। इस वजह से अभी समय सीमा समाप्त नहीं हुई है। दूसरे कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए छूट को आगे बढ़ाया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा न करके नगर निगम प्रशासन ने संवेदनहीनता का परिचय दिया है। वही छूट वापसी के नगर निगम प्रशासन के कदम की पार्षदों ने की आलोचना।

# कड़ी सुरक्षा के बीच नगर पंचायत प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण

## कब्जा धारकों को प्रशासन की तरफ से दी गई थी 15 दिन की मोहलत

अखंड भारत संदेश

**शंकरगढ़।** सड़कों, गलियों को कब्जा मुक्त बनाने के उद्देश्य से बुधवार को नगर पंचायत प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ज्यादातर स्थानों पर हल्के-फुल्के प्रतिरोध का भी सामना करना पड़ा।

नगर पंचायत ईओ सत्येंद्र प्रकाश चौरसिया ने बताया कि कस्बे के कई मोहल्लों में लोगों ने सडकों और पटरियों तक अतिक्रमण कर रखा है। इससे राहगीरों को आवागमन में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही थीं और, आए दिन जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा था। इसे देखते हुए नगर पंचायत में कब्जा करने वालों को नोटिस दी गई थी, जिसमें 15 दिन की मोहलत दी गई थी।

बताया कि जिन लोगों ने कब्जा नहीं हटाया था, आज उनके खिलाफ कार्यवाही की गई। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अतिक्रमण हटाने पहुंचे दस्ते ने कब्जा हटाने की कार्यवाही पूरी की। इस दौरान नगर पंचायत के लिपिक प्रदीप कुमार, दीपू शुक्ला, मनीष केसरवानी, कुशल कुमार व शंकरगढ़ थाना की पुलिस टीम मौजूद रही। कब्जा हटाने के दौरान ईओ ने दुकानदारों को चेतावनी भी दी है कि यदि दोबारा कब्जा किया गया तो सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

सड़कों व गलियों को कब्जा मुक्त करने के उद्देश्य से नगर पंचायत ने चलाया अतिक्रमण अभियान

बसरिया गांव में विकास कार्य का बीडीओ निरीक्षण करते

### बसरिया गांव में विकास कार्य का खंड विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण, जताया असंतोष

**करछना।** खंड विकास अधिकारी करछना जितेन्द्र कुमार ने ग्राम पंचायत बसरिया में करायें गयें विकास कार्यों का स्थलीय किया निरीक्षण, विकास कार्य से असंतोष जताया ।जानकारी के मुताबिक उक्त गांव में पूर्व प्रधान द्वारा कराये गये कार्य में पंचायत भवन निर्माण अधूरा पाया, जबकि सात महीने पहले 29,लाख रुपये पंचायत भवन निर्माण के लिए स्वीकृत हुआ था जो अधूरा पडा है, इसके अलावा गांव की बस्ती से पक्की सड़क तक नाला खुदाई का कार्य मनरेगा के तहत अधूरा मिला जिससे गांव का पानी बाहर नहीं निकलने से गांव की समस्या बरकरार बनी हुई है, इसके अलावा उन्होंने गांव में नाली खडंजा, इंटर लॉकिग आदि करायें गयें विकास कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया जिसमें प्रधान, पंचायत सचिव, व रोजगार सेवक सहित ब्लाक के जिम्मेदार लोगों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कारवाई की बात कही है ।

## पेयजल टंकी की विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर विधायक ने डीएम को लिखा पत्र

**लालगंज, प्रतापगढ़।** कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता व रामपुरखास की विधायक आराधना मिश्रा मोना ने पेयजल टंकी की विद्युत आपूर्ति बाधित किये जाने को लेकर जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने जिलाधिकारी डा. नितिन बंसल को भेजे गये पत्र मे कहा है कि प्रदेश सरकार के ऊर्जा विभाग द्वारा पेयजल आपूर्ति करने वाली पानी की उन टंकियों की विद्युत आपूर्ति तत्काल प्रभाव से बंद किये जाने का आदेश जारी किया गया है, जहां पर बिजली के बिल का बकाया हो। विधायक ने कहा है कि रामपुरखास में मुस्तफाबाद पेयजल समूह योजना सहित कई समूह योजनाओं के बिजली के कनेक्शन काट दिये गये है। जिससे वर्षो से इन पर आधारित एक बड़ी आबादी के लोगों को पेयजल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। उमस भरी इस गर्मी मे पेयजल टंकियों की विद्युत आपूर्ति बंद करने से जलापूर्ति की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ऐसे मे जलापूर्ति को रोकना कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न कर सकता है। विधायक मोना ने डीएम से अनुरोध किया है कि जब तक उत्तर प्रदेश शासन के आधीन ऊर्जा व जलशक्ति विभागों मे आम सहमति नहीं बन जाती, तब तक प्रतापगढ़ जिले में जनपद स्तर पर दोनों विभागों के सम्बन्धित अधिकारियों को बैठाकर आम सहमति बनायें। विधायक ने कम से कम एक पखवारे तक इस आदेश को लागू न किये जाने का अनुरोध डीएम से किया है।

# प्राइमरी स्कूलों में दिखी रौनक, बच्चों में दिखा उत्साह

### अफवाहों के बीच पहले दिन आए 30 से 40 प्रतिशत बच्चे

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कोरोना के कम आंकड़ों को देखते हुए कक्षा-एक से पांच तक के स्कूलों को खोलने पर प्राइमरी स्कूलों में भी रौनक दिखाई पड़ी। बच्चे तथा अभिभावक दोनों खुश दिखाई पड़ रहे थे। बच्चों में इस बात की खुशी है कि उनकी डेढ़ साल से रुकी पढ़ाई फिर पटरी पर आएगी। इस दौरान स्कूलों में भी मास्क व सेनेटाइजर की व्यवस्था की गई थी। कोरोना से बच्चों को भी सचेत किया गया था।

अभिभावकों का कहना है कि बच्चों का सर्वांगीण विकास स्कूल में ही होता है। यद्यपि कि स्कूल खुलने को लेकर तरह-तरह की अफवाहों के चलते कुछ अभिभावक स्कूल के संचालकों को लगातार फोन कर रहे थे कि कितने दिन तक स्कूल खुल सकता है, फिर तो नहीं बंद हो जाएगा। तीसरी लहर का प्रकोप कब आ रहा है? लेकिन बच्चों व अभिभावकों का उत्साह देखते हुए अफवाहों पर विराम लगा।

बच्चे भी खुशी-खुशी मास्क लगाकर स्कूल पहुंचे। बच्चे इस बात के लिये जागरुक दिखे कि वह कोरोना से बचाव करते हुए अपनी पढ़ाई करेंगे। वैसे आज स्कूलों में 30 से 40 प्रतिशत तक प्राइमरी स्कूलों में छात्र उपस्थित रहे। आशा है कि दो-तीन दिनों में बच्चों की उपस्थिति सामान्य हो जाएगी। वैसे आज मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का बयान आया कि प्रदेश में कोरोना पूर्ण रुप से नियंत्रण में है और समाज के अनेक बुद्धिजीवियों ने भी उत्तर प्रदेश में स्थिति सामान्य रहने की आशा जताई है। इससे अब स्कूलों में लगातार पढ़ाई होने की आशा बढ़ गई है।

# ग्राम प्रधान के पुत्र वधू के चयन में लगाई आपत्ति

**अखंड भारत संदेश**

**परियावां, प्रतापगढ़।** विकास क्षेत्र कालाकांकर की ग्राम पंचायत पिथनपुर में पंचायत सहायक पद पर ग्राम प्रधान के परिवार की पुत्र वधू के चयन को निरस्त करने के संदर्भ में सहायक विकास अधिकारी पंचायत संतोष कुमार शुक्ल को गांव के आलोक कुमार तिवारी ने शिकायती पत्र दिया, जिसमें उक्त गांव में चयन रचना द्विवेदी पुत्री जय लाल द्विवेदी आवेदन पत्र को अवैधानिक करार देते आपत्ति लगाई है। आपत्ति पत्र में कहा है कि शासन की मंशा के अनुसार पंचायत सहायक डाटा ऑपरेटर की गाइड लाइन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रधान से संबंधित उनके परिवार के किसी व्यक्ति का चयन नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में उपरोक्त गांव में मीरा द्विवेदी पत्नी सदाशिव द्विवेदी वर्तमान ग्राम प्रधान हैं जो पंचायत सहायक हेतु आवेदन में चयन किया गया है। रचना द्विवेदी वर्तमान प्रधान की पुत्र वधू हैं ऐसे में उनका चयन शासनादेश के तहत गलत है जिसकी जांच कर शासनादेश के नियम के तहत चयन करने की कार्रवाई करे। इस संदर्भ में सहायक विकास अधिकारी पंचायत संतोष कुमार शुक्ला ने पूछने पर बताया कि एडीओ पंचायत के द्वारा शिकायत पत्र मिला है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

## सांसद विनोद सोनकर ने जताया शोक

**अखंड भारत संदेश**

**कुण्डा, प्रतापगढ़।** कौशाम्बी लोकसभा के बाबागंज विधानसभा के गरीबपुर डेरवा के निवासी भारतीय सेना के जवान वीर बहादुर सिंह जम्मू में तैनात थे। बुधवार को उनके शहीद होने की खबर आई। कौशाम्बी सांसद विनोद सोनकर ने दूरभाष के माध्यम से शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भगवान से आत्मा की शान्ति हेतु प्रार्थना की। साथ ही परिवार को अपार कष्ट सहन करने की शक्ति भगवान प्रदान करें। सांसद के मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि सांसद त्रिपुरा राज्य के प्रवास पर हैं। जल्द ही परिजनों से मुलाकात करेंगे।

# शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें अधिकारी : डीएम

### जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान सुनी जनसमस्याएं

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** जिलाधिकारी डॉ0 नितिन बंसल ने बुधवार को जनसुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय में कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए जन सामान्य की समस्याएं सुनी एवं उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने जन सुनवाई के दौरान लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, मास्क लगाएं तथा साफ-सफाई व सैनिटाइजेशन पर नियमित रूप से ध्यान दें, 18 वर्ष से ऊपर आयु के सभी व्यक्ति अपना कोविड टीकाकरण अवश्य कराएं।

आजजन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष नाली विवाद, भूमि पर अवैध कब्जे, वसीयत, भूमि की पैमाइश, शौचालय, राशन, आवास आदि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों को लंबित न रखा जाए, शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, इसके साथ ही उन्होंने कहा जिस भी विभाग से संबंधित शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्रोहन वैश्य व मुख्य राजस्व अधिकारी इंद्र भूषण वर्मा सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

# डेंगू से बचाव के लिये नगर पालिका ने चलाया विशेष सफाई अभियान

### सियाराम कालोनी में तीन दिनों से हो रही है नाले-नालियों की सफाई

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** डेंगू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए नगर पालिका शहर के एक-एक वार्ड में विशेष सफाई अभियान चला रहा है। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में डेंगू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह ने एक-एक वार्ड में विशेष सफाई अभियान चलाये जाने का निर्देश दिया

है।इसके तहत नगर पालिका ने बाहरी क्षेत्र सियाराम कालोनी में इस अभियान की शुरुआत 30 सितम्बर को की। तीन दिनों से चल रहे सफाई अभियान में 30 सफाई कर्मचारी व मशीन मैन लगाये गये हैं। यहां के सभी नाले-नालियों की सफाई नाला क्लीनिंग मशीन व नाला गैंग से की जा रही है। सफाई से निकले मलबे को तुरंत उठाने के लिये जेसीबी व ट्रैक्टर ट्राली भी लगाये गये हैं। सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने आगे बताया गया कि गुरुवार को सियाराम कालोनी में चार दिनों से चल रहा सफाई अभियान समाप्त हो जाएगा, फिर दूसरे नये वार्ड में अध्यक्ष व अधिशाषी अधिकारी के निर्देश पर सफाई अभियान चलेगा। इस विशेष सफाई अभियान में सफाई प्रभारी प्रशांत सिंह भी सक्रिय भूमिका निभाते देखे गये।

## पागल सियार के हमले में दो किशोर सहित तीन घायल

**पट्टी, प्रतापगढ़।** गांव में एक पागल सियार ने अचानक ग्रामीणों पर हमला बोल दिया, जिसमें दो किशोर सहित तीन लोग घायल हो गये। सभी घायलों को परिजन उपचार के लिये सीएचसी लेकर गये, जहां इलाज के बाद उन्हें घर ले जाया गया। कंधई थाना क्षेत्र के बिबिया करनपुर गांव में बुधवार की सुबह करीब दस बजे अचानक एक पागल सियार ने ग्रामीणों पर हमला बोल दिया तथा लोगों को काटना शुरु कर दिया। इस दौरान स्वान ने गांव निवासी रामचंद्र का बेटा गगन गौतम (10), राजकुमार का बेटा आदित्य कुमार (11) तथा रविंद्र कुमार शुक्ल का बेटा अंकुर शुक्ला (25) को हमला कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों की चीख-पुकार पर जुटे ग्रामीणों ने हल्ला गुहार मचाने के साथ लाठी डंडा पटक कर उसे गांव से बाहर निकाला तथा घायलों के परिजन सभी घायलों को लेकर इलाज के लिए सीएचसी बाबा बेलखरनाथ धाम ले गये जहां उनका उपचार किया गया।

# 1700 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की चाभी सौंपी गयी

### डीएम ने लाभार्थियों को वितरित की आवास की प्रतीकात्मक चाभी

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ ने जनपद प्रतापगढ़ में स्थित एन0आई0सी0 व समस्त खण्डों में कार्यक्रम आयोजित कर आवास के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से चाभी का वितरण किया गया। एन0आई0सी0 में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के 15 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चाभी का वितरण किया।

एनआईसी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी प्रभाष कुमार, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) शत्रोहन वैश्य, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, खण्ड विकास अधिकारी सदर आकांक्षा मिश्रा व लाभार्थी उपस्थित रहे। इसके साथ ही समस्त विकास खण्डों में 100-100 लाभार्थियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा चाभी का वितरण किया गया। जनपद में आज 1700 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की चाभी सौंपी गयी। इस दौरान जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने कहा कि जनपद में लाभार्थियों को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के साथ-साथ शौचालय, विद्युत कनेक्शन सहित शासन द्वारा संचालित समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उधर विधायक रानीगंज अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने ब्लॉक परिसर शिवगढ़ एवं ब्लॉक सभागार गौरा में आयोजित कार्यक्रम में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास प्रमाणपत्र एवं प्रतिकृति चाभी प्रदान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी के कुशल नेतृत्व में आज न केवल सतत एवं चहुमुखी विकास हो रहा है बल्कि देश एवं प्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न होने के साथ राजनयिक रूप से भी मजबूत हुआ है। विकास खण्ड शिवगढ़ अंतर्गत बीजेमऊ के मिठाईलाल, भैसौना की सरोजा देवी, सहिजवार के मंगरू तथा विकास खण्ड गौरा के कहला की माधुरी देवी, गौरा पूरेबदल की सुशीला देवी, कलीमुरादपुर की ज्ञानवती एवं सावित्री देवी व मसौली की धनराजी समेत सैकड़ों लाभार्थियों को आवास प्रमाणपत्र वितरित किया गया। इस दौरान प्रमुख शिवगढ़ सत्यम ओझा, निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख गौरा राकेश सरोज, प्रतिनिधि नीरज ओझा, खण्ड विकास अधिकारी शिवगढ़ जी.डी.शुक्ला, खण्ड विकास अधिकारी गौरा रमेश चंद्र यादव, एडीओ पंचायत विजय शुक्ल इत्यादि उपस्थित रहे।

# बलात्कार के दो आरोपियों को सात-सात वर्ष का कारावास, 90 हजार रुपये अर्थदण्ड लगा

**अखंड भारत संदेश**

**प्रतापगढ़।** विशेष सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार श्रीवास्तव ने अभियुक्त नन्हे उर्फ आशीष पुत्र अमरनाथ व भोलई उर्फ प्रदीप पुत्र राम आसरे पाल निवासीगण हथसारा, थाना कोंहडौर को बलात्कार, धमकाने व भय में डालने के आरोप में प्रत्येक को सात-सात वर्ष का कारावास तथा 90 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित करने का आदेश पारित किया।

बता दें कि सात अक्टूबर 2014 को इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया कि प्रार्थिनी का पूरा परिवार मुम्बई में रहता है। पिछले एक साल से मैं अपनी 15 वर्ष की लड़की के साथ अपनी बूढ़ी मां की देखभाल हेतु अपने घर में रह रही हूं। घटना पांच अक्टूबर 2014 को इलाज के लिये प्रतापगढ़ गई थी। रात को वापस नहीं आई। उसी रात मेरे पड़ोस का नन्हे उर्फ आशीष पुत्र अमरनाथ घर में पुत्री को अकेला पाकर जान से मार डालने की धमकी देते हुए जबरन मुंह दबाकर बुरा काम किया। अगले दिन जब मैं घर लौटी तो मेरी लड़कीने रो-रोकर सारी बात बताई, तब मैंने घरवालों से शिकायत किया और बदनामी को ध्यान में रखते हुए संतोष कर लिया लेकिन आज बीती रात एक बजे नन्हे का दोस्त भुलई मेरे घर में घुसकर मेरी लड़की को डरा-धमकाकर पांच अक्टूबर 2014 की रात की घटना को सार्वजनिक कर देने की धमकी देकर मुंह दबाकर जबरन बुरा काम किया। लड़की के चिल्लाने पर मेरी आंख खुली। मैंने नन्हे को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह भाग निकला और धमकी दिया कि कहीं शिकायत की तो जान से मार दूंगा। राज्य की ओर से पैरवी सहायक शासकीय अधिवक्ता निर्भय सिंह ने किया।

## शराबी युवक ने घर में घुसकर किया मारपीट

**परियावां, प्रतापगढ़।** नवाबगंज थाना क्षेत्र के छाछामउ गांव में शुक्रवार की देर शाम लगभग आठ बजे गांव के पिन्टू गौतम पुत्र श्यामलाल ने शराब के नशे में विमला देबी पत्नी विनय कुमार सरोज के घर मे घुसकर जमकर मारपीट किया। पुलिस ने तहरीर मिलने पर आरोपी युवक पिन्टू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

# नाले में मिला मानसिक रोगी वृद्ध का शव, हड़कम्प

**अखंड भारत संदेश**

**लालगंज, प्रतापगढ़।** उदयपुर थाना क्षेत्र के खानीपुर स्थित मटटन नाला मे बुधवार की दोपहर वृद्ध का शव मिलने से हडकंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। उदयपुर थाना क्षेत्र के खानीपुर गांव के पास स्थित मटटन नाला मे बुधवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे गांव के कुछ बच्चें नहा रहे थे। इसी बीच नाले मे एक शव उतराया देख बच्चों ने भागकर इसकी सूचना गांव मे दी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। शव की शिनाख्त थाना क्षेत्र के बेरहा कुसौली गांव निवासी रामअधार वर्मा 70 के रूप मे हुई। जानकारी होते ही मृतक के परिवार के लोग भी वहां पहुंच गये और वृद्ध का शव देख विलाप करने लगे। मृतक के परिवार के लोगों ने बताया कि वह मानसिक रोगी था।

बिना बताये मंगलवार की दोपहर मुरैनी गांव मे निमंत्रण गया हुआ था। उसके न लौटने पर परिजनों ने सोचा कि वहीं रूक गये होगें और कल तक वापस लौट आयेगें। लेकिन मृतक का शव मिलने से परिवार के लोग बदहवाश हो उठे। एसओ सत्येन्द्र राय ने बताया कि स्वजनों के अनुसार मृतक मानसिक रोगी था, शायद घर लौटते समय पैर फिसल जाने से नाले के गहरे पानी मे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गयी। शव को पीएम के लिए भेजा गया है।

# मुख्यमंत्री ने मनरेगा मजदूर से किया वर्चुअल संवाद

### मुख्यमंत्री आवास योजना का जाना हाल

**अखंड भारत संदेश**

**लालगंज, प्रतापगढ़।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वर्चुअल संवाद के जरिए जिले के विकास खण्ड लक्ष्मणपुर अर्न्तगत देवली ग्राम पंचायत की मनरेगा मजदूर सुशीला देवी पत्नी भगवत प्रसाद से वार्ता किया। मुख्यमंत्री ने सुशीला देवी से आवास योजना का लाभ मिलने की जानकारी हासिल की। जिस पर सुशीला ने आवास के लिए पूर्ण धनराशि प्राप्त हो जाने की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने सुशीला देवी से उनके बच्चों की पढ़ाई लिखाई के बाबत भी जानकारी लिया और बच्चों को खूब पढ़ाने लिखाने को लेकर प्रेरित भी किया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने वर्चुअल संवाद के जरिए कहा कि प्रदेश सरकार गरीब तबके किसान से लेकर सभी वर्ग का पूरा ध्यान रख रही है। कोरोना महामारी के दौरान भी लोगों की परेशानी को लेकर सरकार ने पूरा ख्याल रखा। मुख्यमंत्री के वर्चुअल संवाद को सुनने के लिए बडी संख्या मे गांव के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन बीडीओ अंजूरानी वर्मा ने किया। अध्यक्षता पीडीआरसी शर्मा ने किया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुखपति लक्ष्मणपुर डा. राकेश सिंह, प्रधानपति देवली, मनोज सिंह, गुरूदीन, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि गणेश प्रताप सिंह, मो. अकरम, जयप्रकाश सिंह, दुर्गेश जायसवाल आदि मौजूद रहे।

# जनपद में धारा 144 प्रभावी, 25 अक्टूबर तक रहेगा प्रतिबंध

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** जनपद में माध्यमिक शिक्षा द्वारा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट शैक्षणिक सत्र 2020-2021 के घोषित परीक्षाफल में अंक सुधार के लिए आयोजित बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन व शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए धारा-144 लागू की गई है। यह एक सितंबर से पूरे जनपद में 25 अक्टूबर तक लागू रहेगी।अपर जिला मजिस्ट्रेट शैलेंद्र कुमार मिश्र ने बताया है कि इसके उल्लंघन पर भारतीय दंड विधान की धारा-188 के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने इस अवधि में प्रतिबंधित क्रियाकलापों को कदापि नहीं करने की हिदायत दी हैं, साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि जनपद में कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था बिगडने की संभावना हो। उन्होंने सभी से इस आदेश का पालन किये जाने की अपेक्षा की है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि जनपद में कोई भी व्यक्ति ईंट-पत्थर, आग्नेयास्त्रध्विस्फोटक पदार्थ, तलवार, भाला, भुजाली, लाठी-डंडा या 05 सेमी0 से अधिक फल वाली छूरी/धारदार हथियार अथवा अन्य किसी ऐसे हथियार को लेकर नहीं निकलेगा। इसके अलावा किसी भी सार्वजनिक स्थान अथवा सडक या गली में पॉच से अधिक व्यकित एकत्रित नहीं होंगे। यह आदेश धार्मिक स्थल, शव यात्रा एवं विवाह के बारात पर लागू नहीं होगा। परीक्षा केंद्र से 200 मीटर की परिधि में कोई फोटोग्राफी की दुकान खोलना प्रतिबन्धित रहेगा। गृह मंत्रालय भारत सरकार/उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत कोविड-19 की गाइड लाइंस के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन किया जाना अनिवार्य होगा।

# पक्के मकान की चाबी पाकर निहाल हुए लाभार्थी

## एनआईसी में सांसद और विधायकों ने लाभार्थियों को सौंपी आवास की चाबी

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत निर्मित आवास के लाभार्थियों को आज चाबी प्रदान कर गृह प्रवेश करवाया गया। यह आयोजन पूरे प्रदेश में एक साथ सभी जिला मुख्यालयों पर किया गया। लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसका शुभारंभ किया। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों में पांच लाख, 51 हजार लाभार्थियों को 6637.72 करोड़ रुपये की लागत से बने आवासों की चाबी सौंपी गई।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी, अयोध्या, कुशीनगर, सोनभद्र एवं रायबरेली के एक-एक लाभार्थी को आवास की चाबी प्रदान की। वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से लाभार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना पूरा हो रहा है। गांव के प्रत्येक जरूरतमंद को आवासीय योजना के साथ-साथ अन्य योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आवास/चाबी वितरण कार्यक्रम के मद्देनजर जनपद के कलेक्ट्रेट में स्थित एनआईसी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भदोही सांसद रमेशचंद्र बिंद, विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर, विधायक भदोही रवींद्रनाथ त्रिपाठी, जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने दस लाभार्थियों को आवास की चाबी वितरित की। इसमें मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत विकास खंड ज्ञानपुर के पांच लाभार्थियों सरिता देवी पत्नी राजू, शिवरामपुर, फोटो देवी पत्नी बनवारी शिवरामपुर, लालजी पत्नी बरसाती, माधुरी देवी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद, प्रमिला देवी पत्नी संजय, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत विकास खंड ज्ञानपुर के लाभार्थी जीतेन्द्र पुत्र बसंत लाल जोरई, निर्मला, अमृतलाल, हीरावती देवी, बन्नी देवी को चाबी वितरित की गई। आयोजन को सांसद के साथ औराई विधायक दीनानाथ भाष्कर, विधायक भदोही रवींद्रनाथ त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी के साथ सीडीओ भानु प्रताप सिंह, परियोजना निदेशक मनोज कुमार राय, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

### लाभार्थियों को मिला आवास की चाभी

**गोपीगंज।** नगर स्थित ब्लाक मुख्यालय पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को गृह प्रवेश के लिए चाभी वितरित किया गया।बुधवार को ब्लाक सभागार में चाभी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ज्ञानपुर ब्लॉक प्रमुख पति अखिलेश्वर प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत लाभार्थियों को चाभी वितरित किया। बताते चलें सन 2020-21 एवं 2021-22 के निर्मित आवास की कीमत पांच लाख पचास हजार रुपए हैं। लाभार्थियों को ज्ञानपुर ब्लाक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों का गृह प्रवेश चाभी वितरण किया गया। चाबी वितरण के दौरान एडीओ आईएसबी राकेश कुमार मिश्रा, दिनेश शुक्ला, रविंद्र तिवारी आदि के साथ कठौता, गहरपुर, होलपुर के लाभार्थीयो को चाभी दी गई।

# सीईपीसी चुनाव में युवा चेहरों को मिले प्राथमिकता : महमूद आलम

## कहा परिषद में दशकों से बने मकड़जाल से बाहर निकलना जरूरी

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** वरिष्ठ कालीन निर्यातक महमूद आलम अंसारी ने कहा है कि कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के चुनाव आते ही चुने जाने के लिए लोग एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाना शुरू कर देते हैं जब की हमाम में सभी नंगे हैं। श्री अंसारी ने कहा कि परिषद के प्रशासनिक समिति से जुड़े लोगों ने पिछले दो दशक में कोई कार्य नहीं किया। जिसको मौका मिला उसने ही परिषद का दोहन किया। यहां तक की पहले कोरोना की लहर में देश की बहुत सी संस्थाओं एवं व्यक्तिगत लोगों ने इलाज भोजन एंबुलेंस दवा ऑक्सीजन दिलवाने में लाखों लोगों की मदद की। प्रवासी मजदूरों को सड़क रेल हवाई जहाज के द्वारा देश की विभिन्न हिस्सों से मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाया गया। परंतु हर समय सरकार से मदद के लिए आंसू बहाने वाले सीईपीसी प्रशासनिक समिति के सदस्यों ने एक भी मजदूर को उनके घरों तक विभिन्न प्रांतों में भेजने के लिए एक भी बस अथवा ट्रेन की व्यवस्था नहीं कराई। यदि प्रशासनिक समिति के सदस्य लोग पहल करते तो कालीन से जुड़े लोग इसमें जरूर हिस्सा लेते।वही भाई भतीजावाद को बढ़ावा देते हैं। कहा कि सरकार की मदद से चलने वाले परिषद के लोग सरकार की नीतियों का भी उल्लंघन करते हैं। कहा कि देश के प्रधानमंत्री जी महिला सशक्तिकरण की बात कर रहे हैं लेकिन 2 सितंबर को कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के प्रशासनिक समिति के सदस्यों के होने वाले चुनाव मैं एक भी महिला प्रत्याशी नहीं है। है तो सिर्फ वही पुराने चेहरे या भाई भतीजावाद। अंसारी ने निर्यातक सदस्यों से आह्वान यह है कि परिषद के प्रशासनिक समिति के सदस्यों के हो रहे चुनाव में युवा चेहरे को आगे लाने के लिए गुटों से ऊपर उठकर निर्यातक सदस्य अपने मत का प्रयोग करें साथ ही पिछले काफी समय से परिषद की चली आ रही सिंडीकेट को तोड़कर मकड़ मकड़ जाल से बाहर आएं।

### धू- धूकर जले टांसफार्मर को बदलने की मांग

**चौरी/भदोही।** क्षेत्र के रोटहां स्थित चौराहा के पर लगा विद्युत ट्रांसफार्मर दो दिनों से जल जाने के चलते विद्युत आपूर्ति ठप हो गयी है। वही ठप विद्युत आपूर्ति के कारण पानी सहित तमाम समस्याओं से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी में विद्युत समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने जले ट्रांसफार्मर को जल्द बदलने को लेकर प्रदर्शन भी किया। बताया गया है कि रोटहां में गत सोमवार की रात 250केवीए का लगा ट्रांसफार्मर धूं-धूं कर जल गया हैं। जिससे रोटहा मुस्लिम व ब्राह्मण बस्ती में दो दिनों से रात के समय अंधेरा छाया हुआ है। विद्युत आपूर्ति ठप होने से पानी के लिए ग्रामीणों को समस्या हो गई है।दो दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक ट्रांसफार्मर नही बदला गया। जिससे नाराज लोगो ने विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया है।

# राइस मिलरों ने मांगों से संबंधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

अखंड भारत संदेश

**ज्ञानपुर।** बुधवार को जिले के राइस मिलर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष श्याम मुरारी दुबे के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पहुंचकर अपने मांगों को लेकर जिला अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि खरीफ खरीद वर्ष 2021-22 में प्रदेश सरकार की गलत नीतियों के कारण धान की कुटाई से वीरत रहने व मिल बंद रखने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि राइस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा पूर्व में राइस मिल उद्योग व्यापार सरकार की गलत नीतियों के कारण समाप्त होने की स्थिति में है। जिसके लिए व्यापार को चलाने के लिए प्रमुख मांगे पूर्व में की थी किंतु आज तक सरकार द्वारा सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया जिससे राइस मिलरओं के समक्ष संकट उत्पन्न हो गया है। श्री दुबे ने

बताया कि चावल के रिकवरी 67 प्रतिशत से घटाकर 55 से 60 प्रतिशत की जाए धान की कुटाई अन्य राज्यों की तरह 250 प्रति कुंटल दिया जाए। धान व चावल के परिवहन का कार्य स्वयं मिलर से कराया जाए। केंद्र द्वारा खरीदे गए धान को रिजेक्ट करने का अधिकार मिलर को दिया जाए। कस्टम मिलिंग का कार्य पूर्ण होने पर समस्त बिलों का भुगतान 15 दिनों के भीतर किया जाए। मेल कार्य से संबंधित सभी तरह के भुगतान दूसरों का एक से भुगतान होना सुनिश्चित किया जाए। निचले मिलर को व्यापार करने में किसी तरह का परेशानी ना करना पड़े। उन्होंने कहा कि उपरोक्त मांगे जब तक नहीं पूरी की जाती है तब तक हम सभी मिलर मिल चलाने का कार्य नहीं करेंगे और ना ही राइस मिलों का सत्यापन कराएंगे। इस अवसर पर कृपा शंकर पांडे, शिव शंकर जायसवाल, मंसाराम जायसवाल, डॉ संतोष कुमार शुक्ला, विनय कुमार श्रीवास्तव, अनुज कुमार मिश्रा सहित अन्य राइस मिलर मौजूद रहे।

# तिलक-चंदन लगाकर किया स्वागत

## जनपद में बच्चों के लिए खुले कक्षा एक से पांच तक के विद्यालय

### बीईओ ने किया विद्यालयों का भ्रमण

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** एक सितंबर को न्याय पंचायत नथईपुर के समस्त विद्यालयों में पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। सर्वप्रथम जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान ज्ञानपुर भदोही की प्रवक्ता डा. स्मिता सिंह के नेतृत्व में प्राथमिक विद्यालय संसापुर में बच्चों को किताबें बांटी गईं। आज प्रथम दिन स्कूल खुलने को लेकर बच्चों संग शिक्षकों में भी उत्सुकता देखी गई। सभी ब्लाकों के खंड शिक्षा अधिकारी भी प्रथम दिन स्कूलों में मौजूद रहे और बच्चों का स्वागत किया।

इसी क्रम में न्याय पंचायत के समस्त विद्यालयों में पुस्तक वितरण का कार्यक्रम किया गया और तिलक-चंदन लगाकर विद्यालय में

बच्चों का हर्षोल्लास स्वागत किया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय कसीदहां के प्रधानाध्यापक द्वारा पुस्तक वितरण किया गया। इसी तरह कंपोजिट विद्यालय बैरीपरवा, कारीगांव, प्राथमिक विद्यालय पूरेबहुरिया द्वितीय, प्राथमिक विद्यालय नथईपुर डीएवी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय संसारापुर, कंपोजिट विद्यालय हिंछनपुर, कंपोजिट विद्यालय नथईपुर, प्राथमिक विद्यालय कसीदहां में विद्यालयों में पुस्तक वितरण का किया गया। प्राथमिक विद्यालय संसारपुर में डायट की प्रवक्ता स्मिता सिंह ने विद्यालय के प्रबंधन की सराहना की। इस दौरान प्रधानाध्यापक संतोष कुमार मिश्र, सहायक अध्यापक दिलीप दुबे, संजना सिंह आदि उपस्थिति रहीं।

### स्वाभिमान पार्टी की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यसमिति की हुई बैठक

**भदोही।** जाने-माने विचारक केएन गोविंदाचार्य की प्रेरणा से बनी स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक जीबी पंत मेमोरियल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुई। तीन दिवसीय कार्यसमिति की बैठक में कुल दस राज्यों के कार्यसमिति सदस्य शामिल हुए। इस दौरान राजेश कुमार प्रजापति को प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र का संयोजक बनाया गया। भदोही जिलाध्यक्ष सतीश कुमार तिवारी को मनोनीत किया गया। प्रदेश कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में वाराणसी के अधिवक्ता ओमप्रकाश चौबे को मनोनीत किया गया। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के 12 जिलों से उपस्थित लोगों को अलग-अलग प्रकार के जिले के दायित्व दिए गए। पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री म.प्र. वीरेंद्र पांडेय ने उत्तर प्रदेश की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए व्यवस्था परिवर्तन के सूत्रों पर बात की।

# हत्या के जुर्म में फरार चल रहा ढाबा कर्मचारी गिरफ्तार

### महाराजगंज अंडर पास के समीप से औराई पुलिस ने दबोचा

अखंड भारत संदेश

**ज्ञानपुर।** औराई के महाराजगंज में ढाबा पर हुए विवाद में की गई हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्यारोपी के ऊपर पचीस हजार रुपये का इनाम घोषित था। बताया जाता है कि ढाबे पर दुकानदार द्वारा अधिक पैसा मांगने पर झगड़ा हो गया था।

ज्ञानपुर पुलिस लाइन सभागार में इसका खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने बताया कि चार सितंबर 2019 को कमल सिंह, सूरज सिंह, अरुण सिंह व विशाल दुबे (निवासी सहसेपुर, औराई) रात के नौ बजे के करीब सरदार ढाबा महाराजगंज खाना खाने पहुंचे थे। जहां, इन चारों ने खाना खाया। इसके बाद ढाबा मालिक द्वारा अधिक पैसे की मांग करने पर ग्राहक और ढाबा मालिक में विवाद हो गया। इस बीच ढाबा

मालिक गुरमेल सिंह के ललकारने पर सुरेंद्र सिंह उर्फ सिंदे ने अपने होटल के दो कर्मचारियों के साथ मिलकर कलछुल, रॉड व लाठी से कई वार कर दिए, जिससे मौके पर ही सूरज सिंह पुत्र स्व. तेज प्रताप सिंह की मृत्यु हो गई। इस संबंध में मृतक के भाई के लिखित तहरीर पर मु0अ0सं0 202/19 धारा 302/323 के तहत गुरमेल सिंह, सुरेंद्र सिंह उर्फ सिंदे व दो अज्ञात के खिलाफ पंजीकृत किया गया था।

अभियुक्त सुरेंद्र सिंह उर्फ सिंदे (निवासी सरदार ढाबा महराजगंज, औराई, भदोही) स्थाई पता ग्राम-बारदेके (ढोलन), जगराव जिला लुधियाना, पंजाब तभी से फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा तीन जुलाई 2020 को 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जिसको 23 अगस्त 2021 को बढ़ाकर 25 हजार कर दिया गया था। आज पुलिस हत्याभियुक्त सुरेंद्र सिंह उर्फ सिंदे को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार करने वाली टीम में विनोद कुमार दुबे स्वाट टीम (क्राइम ब्रांच), सर्वेश राय, तुफैल अहमद, नागेंद्र यादव, कास्टेबल दीपक यादव, सुनील कनौजिया, नीरज यादव, सुभाष सिंह क्राइम ब्रांच और एसआई रामधनी यादव थाना औराई शामिल रहे। पुलिस टीम को एसपी ने 25 हजार रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया है।

# सीएमओ के निरीक्षण में अधीक्षक सहित दो दर्जन कर्मचारी अनुपस्थिति

## एक दिन का वेतन कटौती, सप्ताह भर के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश

अखंड भारत संदेश

**सुरियावां।** मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संतोष कुमार चक द्वारा बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियांवा में आकस्मिक निरीक्षण किया। जिसमें अधीक्षक सहित दो दर्जन से अधिक कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। जिन का एक दिन का वेतन कटौती की जाएगी। सभी को एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां में सुबह 9:30 बजे अचानक आ धमके और उपस्थिति पंजिका रजिस्टर का निरीक्षण करने लगे। जिसमे अधीक्षक डॉ.आरबी पाठक, सहित 14 कर्मचारी गैरहाजिर पाए गए। जिसमें डॉ राधेश्याम, डॉ. आलोक, डॉ आनंद स्वरूप, डा. दीपक मिश्रा, डॉ अंजू सिंह, डॉ रेनू गुप्ता, अभिषेक सिंह डेंटल कर्मी, आशीष शुक्ला फार्मासिस्ट, एके सिंह नेत्र परीक्षण अधिकारी, जाफर अली, रेनू बाला फैमिली प्लानिंग, श्यामला यस स्टाफ नर्स, अनुपस्थिति पाए गए। जिन का 1 दिन का वेतन कटौती की जाएगी। हालांकि उनके जाने के बाद अधिसंख्य कर्मचारी अस्पताल में आ गए। सीएमओ के आकस्मिक निरीक्षण से अस्पताल में खलबली मच गई।

### तत्कालीन कटरा पुलिस चौकी समेत अन्य के विरूद्ध आपराधिक वाद दायर

अखंड भारत संदेश

**ज्ञानपुर।** गलत ढंग से चालान करने व थाने में मारने पिटने टार्चर करने के मामले में कोइरौना थाना क्षेत्र के लखनपुर भदराव गांव निवासी पीडित की ओर से दायर दप्रस की धारा 156(3)के आवेदन पत्र पर थाना कोइरौना से आख्या तलब करते हुए प्रश्नगत मामले में अग्रिम सुनवाई वास्ते 10 सितम्बर की तिथि विशेष न्यायाधीश एससीएसटी की कोर्ट ने नीयत की है। गौरतलब हो कि कोइरौना थाना क्षेत्र के लखनपुर भदराव गांव निवासी शिवचन्द पुत्र हिरालाल ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपराधिक वाद दाखिल कर आरोप लगाया है कि प्रार्थी राजगिर मिस्त्री का कार्य करके 22 जून 2021 को सांयकाल 5 बजे घर लौट रहा था।

### सीईपीसी चुनावः आज से ऑनलाइन वोटिंग शुरू

**1344 मतदाता करेंगे 17 पदों के लिए 27 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला**

**भदोही।** कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के 17 प्रशासनिक समिति के सदस्यों के लिए हो रहे चुनाव का ऑनलाइन वोटिंग आज से शुरू हो जाएगा। जो 9 सितंबर तक चलेगा। 10 सितंबर को दिल्ली में स्थित परिषद के कार्यालय से परिणाम की घोषणा की जाएगी। 17 पदों के लिए दो गुट से 27 प्रत्याशी मैदान में हैं। सीईपीसी के प्रशासनिक समिति के सदस्यों के होने हो रहे चुनाव में उ.प्र.कोटे से 10, शेष भारत से 4 व कश्मीर से 3 भरे जाएंगे। इसके लिए दो गुट आमने-सामने हैं। एक गुट से 16 व दूसरे गुट से 11 प्रत्याशी मैदान में हैं। कुल 27 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। सीईपीसी द्वारा हो रहे चुनाव के लिए जो वैध मतदाताओं की सूची जारी की गई है। उनमें कुल मतदाताओं की संख्या 1344 है। जो हो रहे चुनाव के लिए आनलाइन वोटिंग करेंगे।

# 5 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का होगा जिले में आगमन

अखंड भारत संदेश

**भदोही।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 5 सितंबर शिक्षक दिवस के दिन जिले में आगमन होगा। वे 11:50 बजे पूर्वाह्न प्राइवेट हेलीकाप्टर से वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान करेंगे। 12:00 बजे मध्यान्ह उनका आगमन हेलीपैड जेआरएसएन पब्लिक स्कूल इनारगांव में होगा। लगभग एक घंटे तक वे वहां पर रहेंगे। 1:00 अपरान्ह वे वहां से वाराणसी के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। सपा मुखिया अखिलेश यादव समाजवादी शिक्षक सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आ रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर जिले के सपाई काफी उत्साहित हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी द्वारा जोरो-शोरों से तैयारियां की जा रही है। जगह-जगह बैठकें कर अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पहुंचने का आह्वान किया जा रहा है।

### पूर्व विधायक जाहिद बेग ने दी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी

सपा भदोही विधानसभा इकाई द्वारा भी नगर के चौरी रोड स्थित पार्टी के पूर्व जिला महासचिव शोभनाथ यादव के आवास पर बैठक की गई। जहां पर पूर्व विधायक जाहिद बेग ने मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपते हुए भीड़ के साथ कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया। इस मौके पर नगर पंचायत नई बाजार के चेयरमैन विजय सोनकर, पन्नालाल यादव, कामिल अंसारी, राजकुमार यादव, अंबिका यादव, राजेश राय, रामराज यादव दद्दा, अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष संतोष यादव व संचालन अलीशेर खां ने किया।

### नौजवान के साथ बुजुर्ग भी पहुंचे कार्यक्रम में : मधुबाला

सपा औराई विधानसभा इकाई की बैठक माधोपुर गांव में हुई। जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूर्व विधायक मधुबाला पासी ने सभी सेक्टर व बूथ से नौजवानों के साथ बुजुर्गो को भी पहुंचने का आह्वान किया। इस मौके पर पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रामयज्ञ पाल, अंजनी सरोज, सलाउद्दीन अंसारी, गुलाब यादव, बिंदु सरोज, रामायण बिंद, संतोष यादव, इजहार अंसारी, हिमांशु यादव, प्रेम यादव व राजेश यादव आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष डा.सनवारुल हक व संचालक महासचिव केशनारायण यादव ने किया।

### अनिल सिंह ने जनसंपर्क कर पहुंचने की अपील की

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल कुमार सिंह ने भदोही विधानसभा क्षेत्र के बरमोहनी गांव में जनसम्पर्क किया। जहां लोगों को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कार्यक्रम के बारे में बताया गया और सभी से वहां पहुंचने के लिए अपील की गई। इस मौके पर समाजवादी युवजन सभा के विधानसभा अध्यक्ष आशीष जायसवाल, कुश यादव, गुलाम साबिर खां, अब्दुल हमीद व सौदागर अली मौजूद रहे।

## सम्पादकीय

### 20 साल बाद विदाई

अमेरिकी सेना ने तालिबान को सत्ता से खदेड़ कर हाशिये पर पहुंचा दिया था, लेकिन आज वही तालिबान अफगानिस्तान के पहले से भी ज्यादा हिस्से पर काबिज हो चुके हैं और अमेरिका को यहां से वापस लौटना पड़ा है। अमेरिका ने 31अगस्त की तय समयसीमा से एक दिन पहले ही अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों को वापस बुला लिया। जिन हालात में और जिस तरह से अमेरिकी सेना वापस गई है, उसे जैसे-तैसे अपना पिंड छुड़ाना ही कहेंगे। बीस वर्षों के इस अभियान के समापन के बाद न तो अमेरिकी सेना की साख में कोई बढ़ोतरी हुई है और न ही अमेरिकी सरकार किसी भी रूप में अपने इस अभियान की सफलता का दावा करने की स्थिति में है। इस सबसे लंबे अमेरिकी युद्ध में 2500 अमेरिकी सैनिक मारे गए और 2,40,000 अफगानों ने जान गंवाई। करीब 2 ट्रिलियन डॉलर खर्च हुए इस पर। और हासिल क्या रहा अमेरिकी सेना ने तालिबान को सत्ता से खदेड़ कर हाशिये पर पहुंचा दिया था, लेकिन आज वही तालिबान अफगानिस्तान के पहले से भी ज्यादा हिस्से पर काबिज हो चुके हैं। 15 अगस्त को काबुल में तालिबान के प्रवेश के बाद से अमेरिका और मित्र देशों द्वारा 1,23,000 से ज्यादा लोगों को काबुल से एयरलिफ्ट करवाया गया है। बावजूद इसके, हजारों लोग अभी फंसे हैं और इनमें अमेरिकी नागरिक भी हैं। अब यह सोचा जा रहा है कि कैसे इन लोगों को वहां से सुरक्षित निकाले जाने की कोई व्यवस्था की जाए। इसी क्रम में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित कर तालिबान से कहा कि वह अफगानिस्तान से निकलने के इच्छुक तमाम लोगों को अपनी मर्जी से कहीं भी जाने देने के अपने वादे का सम्मान करें।

इस प्रस्ताव में तालिबान से यह भी कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों की टीमों को वहां आकर सुरक्षित ढंग से मानवीय सहायता उपलब्ध करने दें और यह भी कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए न होने दें। इसके साथ ही अफगान आबादी के मानवाधिकारों और महिलाओं व अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। हालांकि सुरक्षा परिषद के इस प्रस्ताव की भाषा काफी नरम बताई जा रही है, बावजूद इसके चीन और रूस इस प्रस्ताव को पारित करने में शामिल नहीं रहे। जहां तक भारत की बात है तो तालिबान की तरफ से ऐसे कई संकेत दिए गए हैं कि भारत के साथ रिश्ते बेहतर करने में उसकी पूरी दिलचस्पी है। इन संकेतों को संज्ञान में जरूर लिया जा रहा है और लिया जाना चाहिए, लेकिन ये काफी नहीं हैं। अभी तक वहां सरकार गठन की कोई औपचारिक प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। यह साफ नहीं हुआ है कि तालिबान अकेले सरकार बनाएंगे या अन्य ग्रुपों को भी उसमें शामिल किया जाएगा। उन्हें अपने व्यवहार से यह साबित करना होगा कि वे उन अपेक्षाओं पर खरा उतर रहे हैं, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के ताजा प्रस्ताव के जरिए विश्व बिरादरी ने उनके सामने रखी है। इन बिंदुओं पर नजर बनाए रखते हुए ही भारत अफगानिस्तान को लेकर सही समय पर उपयुक्त फैसला कर सकता है।

# अब देश की सियासत पर हैं इनकी नजरें

**नरेंद्र नाथ**

2024 आम चुनाव से पहले एक तरफ विपक्षी एकता की कोशिश चल रही है तो कुछेक क्षेत्रीय दलों की राष्ट्रीय हसरत भी नए सिरे से जग रही है। ऐसे समय में जब कांग्रेस खुद अपने अंदरूनी संकट से जूझ रही है और तमाम राज्यों में गुटबाजी के कारण कमजोर हो रही है, इन क्षेत्रीय दलों को दायरा बढ़ाने का बड़ा मौका दिख रहा है। कुछ जगहों पर वे बहुत हद तक मजबूत शुरुआत भी ले चुके हैं। इनमें जो दो पार्टियां राष्ट्रीय विस्तार की योजना को सबसे आक्रामक रूप से आगे बढ़ा रही हैं, उनमें से एक है ममता बनर्जी की अगुआई में टीएमसी और दूसरी, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी। दोनों दलों ने पिछले कुछ महीनों में अपनी गतिविधियां अपने मूल राज्य पश्चिम बंगाल और दिल्ली से बाहर काफी तेज कर दी हैं। दोनों की बढ़ती सक्रियता न सिर्फ बीजेपी के लिए चुनौती पेश कर सकती है बल्कि इससे कांग्रेस के लिए भी खतरा पैदा हो सकता है। इतिहास गवाह है कि कई क्षेत्रीय दलों ने विस्तार कांग्रेस की कमजोर हुई ताकत की कीमत पर ही किया है। हालांकि, टीएमसी और आम आदमी पार्टी की ये कोशिशें कितनी कामयाब होंगी, अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में जीत की हैट्रिक लगाने के बाद से ही ममता बनर्जी अपनी राष्ट्रीय हसरत को व्यक्त करने में कोई संकोच नहीं कर रही हैं। उन्होंने न सिर्फ विपक्ष को एकजुट करने की दिशा में पहल तेज की बल्कि अपनी पार्टी को बंगाल के बाहर फैलाने का ग्रैंड प्लान भी पेश किया। इसमें ममता ने अपने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की भी मदद ली। इन सबका अब जमीन पर असर भी दिखने लगा है। त्रिपुरा में पार्टी ने अपनी उपस्थिति दिखानी शुरू कर दी है। असम में भी उनकी पार्टी ने कांग्रेस की सीनियर नेता सुष्मिता देव को अपने पाले में कर लिया। सूत्रों के अनुसार, अगले कुछ दिन में दूसरे दलों के कई और नेता पार्टी में शामिल होंगे। इस सिलसिले में पार्टी का ध्यान अभी उत्तर-पूर्व पर है। उसका लक्ष्य अगले आम चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों के अलावा प्रदेश के बाहर की कुछ सीटों पर भी गंभीर दावेदारी पेश करना और अगले विधानसभा चुनावों में उत्तर-पूर्व राज्यों में खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश करना है। दरअसल, टीएमसी की इस विस्तारवादी योजना के पीछे की सोच यह है कि कमजोर होती कांग्रेस के बीच ममता बनर्जी उन चंद क्षेत्रीय नेताओं में शामिल हैं, जो नरेंद्र मोदी के सामने एक मुखर विरोधी के रूप में सामने आई हैं। हालांकि ममता ने खुद को अभी तक पीएम पद की दावेदारी से अलग कर रखा है। उन्हें पता है कि इस दिशा में हड़बड़ी दिखाने के अपने जोखिम हैं। साथ ही, ममता के तमाम दूसरे विपक्षी दलों से राजनीतिक समीकरण बेहतर हैं। अरविंद केजरीवाल, शरद पवार, उद्धव ठाकरे सहित सोनिया गांधी तक से उनके करीबी संबंध रहे हैं।

वैसे सच यह भी है कि राष्ट्रीय राजनीति में आने की यह उनकी पहली कोशिश नहीं है। 2016 में राज्य में मिली जीत के बाद भी उन्होंने ऐसी कोशिश की थी, लेकिन तब वह प्रयास कोई आकार नहीं ले सका था। उस वक्त ममता बनर्जी के राष्ट्रीय राजनीति में वाया हिंदी पट्टी पहुंचने के प्रयासों की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगता था कि उन्होंने बाकायदा हिंदी सीखना भी शुरू कर दिया था। ज्योति बसु के बाद ममता बनर्जी पहली गैर-कांग्रेसी नेता हैं, जिनकी राष्ट्रीय दावेदारी पश्चिम बंगाल से निकलती दिख रही है। 90 के दशक में पश्चिम बंगाल से लेफ्ट के दिग्गज नेता और देश में सबसे लंबे समय तक सीएम रहने वाले ज्योति बसु भी राष्ट्रीय राजनीति में आए थे। उन्हें बिना किसी कवायद के तीसरे मोर्चे का नेता और पीएम बनने का मौका भी मिला था, लेकिन पार्टी ने उन्हें इजाजत नहीं दी। बाद में ज्योति बसु ने इसे एक राजनीतिक भूल कहा। उनके बाद ममता बनर्जी ही ऐसी नेता हैं जिनमें राष्ट्रीय राजनीति में खुद को आजमाने की इच्छा अभी से दिख रही है।

अगले कुछ महीने अरविंद केजरीवाल के लिए भी अहम हैं। पिछले कुछ सालों से दिल्ली से बाहर पैर जमाने में जुटे केजरीवाल की पार्टी आप अगले साल की शुरुआत में पंजाब के अलावा उत्तराखंड और गोवा में चुनौती पेश करने के अलावा उत्तर प्रदेश में भी दांव लगाने को तैयार है। पंजाब में पार्टी ने बतौर राजनीतिक दल खुद को स्थापित कर लिया है। इसके अलावा अगले साल के अंत में गुजरात में भी पार्टी ने पूरी ताकत से लड़ने का ऐलान कर दिया है। गुजरात में पिछले दिनों स्थानीय निकाय के चुनाव में उसके असर दिखाने के बाद वहां भी संभावना दिखने लगी है। अरविंद केजरीवाल अगर इन विधानसभा चुनावों में छाप छोड़ने में सफल रहे तो 2024 में फिर स्थानीय से राष्ट्रीय की ओर बढ़ने का एक और प्रयास आक्रामक रूप ले सकता है। दिल्ली से बाहर विस्तार करने के लिए आम आदमी पार्टी ने इस बार दिल्ली मॉडल ऑफ गवर्नेंस को सबसे अहम सियासी दांव बनाया है। दरअसल, इससे पहले भी आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर पांव पसारने की दो कोशिशें कर चुकी है।

आठ साल पहले 2013 में जब उन्हें दिल्ली में पहली चुनावी सफलता मिली, तब उनकी और उनकी पार्टी के पास जल्दबाजी में राष्ट्रीय राजनीति में छाने का लोभ आया। वैकल्पिक राजनीति के नाम पर 2014 आम चुनाव में पार्टी ने बिना जमीनी तैयारी के करीब 400 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और सबसे अधिक जमानत जब्त कराने और हारने वाली पार्टी बन गई। फिर 2017 में पंजाब, गोवा विधानसभा सहित कुछ राज्यों के चुनाव में उतरी। इस बार उसने पंजाब में जरूर चुनौती खड़ी की, लेकिन इसके अलावा दूसरे राज्यों में पूरी तरह से विफल रही। 2020 में केजरीवाल ने साबित किया कि दिल्ली पर उनकी पकड़ बनी हुई है। तब से आम आदमी पार्टी ने सुनियोजित तरीके से राज्य दर राज्य विस्तार की शुरुआत की। कुल मिलाकर अगला साल साबित करेगा कि 2024 से पहले बीजेपी को राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती देने की होड़ में कांग्रेस के अलावा और कौन-कौन से दल अपने राज्यों की सीमा से आगे निकलकर सामने आते हैं।

# एआईयूडीएफ, आईएसएफ और वेलफेयर पार्टी से पीछा छुड़ाकर कांग्रेस क्या संदेश देना चाहती है

**नीरज कुमार दुबे**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी को फैमिली बिजनेस की तरह चला रहे नेताओं से कहते रहे कि यह सब पार्टी की मूल विचारधारा के खिलाफ है और कांग्रेस सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ाई में चयनात्मक नहीं हो सकती है, लेकिन ऐसे नेताओं को कार्रवाई का डर दिखा कर चुप करा दिया गया। 2014 के लोकसभा चुनावों से कांग्रेस की हार का जो सिलसिला शुरू हुआ था वह तेजी से आगे बढ़ता ही जा रहा है। एक ओर तो कांग्रेस अपने अंतर्विरोधों से नहीं उबर पा रही है तो दूसरी ओर उसका युवा नेतृत्व अनुभवी नेताओं को दरकिनार कर खुद ही बार-बार नये-नये प्रयोग करने में लगा हुआ है। इस सबसे कांग्रेस को नुकसान पर नुकसान तो हो ही रहा है साथ ही पार्टी अपनी विचारधारा और अपने सिद्धांतों से भी पूरी तरह भटकी हुई नजर आ रही है। बात हालिया विधानसभा चुनावों की ही कर लें तो कांग्रेस नेतृत्व ने अनुभवी नेताओं की बार-बार चेतावनी के बावजूद पश्चिम बंगाल में इंडियन सेक्युलर फ्रंट (घ्एइ) और असम में एआईयूडीएफ (घ्ळ३इ) जैसे साम्प्रदायिक दलों से गठबंधन किया था। यही नहीं केरल में भी जमात-ए-इस्लामी के राजनीतिक मोर्चे वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया के साथ कांग्रेस ने निकाय चुनावों में समझौता कर सबको चौंका दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी को फैमिली बिजनेस की तरह चला रहे नेताओं से कहते रहे कि यह सब पार्टी की मूल विचारधारा के खिलाफ है और कांग्रेस सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ाई में चयनात्मक नहीं हो सकती है, लेकिन ऐसे नेताओं को कार्रवाई का डर दिखा कर चुप करा दिया गया। भाजपा के सुर में सुर मिलाने का आरोप अपनी ही पार्टी की ओर से लगाये जाने से दुखी होकर कांग्रेस के जी-23 समूह के नेता तो चुप हो गये लेकिन भारत के कोने-कोने में फैले गांधीवादी हैरान थे कि कैसे देश की सबसे पुरानी पार्टी, जिसके नेताओं ने धर्मनिरपेक्ष भारत की बुनियाद रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वह आज सत्ता पाने के लिए तड़प रही है और गोपाल कृष्ण गोखले, मदन मोहन मालवीय, मोती लाल नेहरू, लाला लाजपत राय, अबुल कलाम आजाद, महात्मा गांधी, सरोजिनी नायडू, जवाहर लाल नेहरू, वल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस तथा डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे महान नेताओं द्वारा दिखाये गये रास्ते से पूरी तरह भटक गयी है।देश की एकजुटता के लिए पूर्व में अथक प्रयास करने वाली कांग्रेस का चेहरा और चरित्र देखिये। दक्षिण और पूर्वोत्तर में मुस्लिमों का मत पाने के लिए वह कट्टरपंथी मुस्लिम पार्टियों के साथ समझौता करती है और उत्तर तथा पश्चिम में अपनी हिंदू पहचान को आगे बढ़ाना चाहती है। सबने देखा कि किस तरह महाराष्ट्र में कांग्रेस ने अपनी विचारधारा के विपरीत विचारों वाली शिवसेना के साथ सिर्फ सत्ता के लिए भागीदारी करने में जरा भी संकोच नहीं किया। उद्देश्य सिर्फ सत्ता हासिल करना हो, उद्देश्य सिर्फ भाजपा को सत्ता से दूर रखना हो तब भी बात समझ आती है लेकिन कांग्रेस सेकुलर होने का दिखावा करते हुए जिस तरह धर्म और जाति की राजनीति करने के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रही है वह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। जिस तेजी से कांग्रेस ने जनता का विश्वास खोया उसी तेजी से वह गठबंधन साथियों या विपक्षी दलों का भी विश्वास खो सकती है क्योंकि सत्ता पाने की बेताबी में उसने आईएसएफ, एआईयूडीएफ और वेलफेयर पार्टी से गठबंधन कर इन्हें धर्मनिरपेक्ष दल होने का तमगा प्रदान करने में एक पल की भी देरी नहीं लगाई थी लेकिन जब इन पार्टियों से गठबंधन का कोई फायदा नहीं हुआ तो इनसे पीछा छुड़ाने के लिए इन्हें भाजपा का एजेंट या भाजपा के इशारे पर काम करने वाले दल का तमगा भी तुरंत ही प्रदान कर दिया। वैसे कांग्रेस नेतृत्व ने चतुराई दिखाते हुए इन पार्टियों से गठबंधन भी राज्य इकाई के माध्यम से करवाया और साथ छोड़ने का ऐलान भी राज्य इकाई ने ही किया। इस तरह कांग्रेस के प्रथम परिवार ने यह दर्शाने का प्रयास किया कि इस सबसे उनका कुछ लेना-देना नहीं था लेकिन जिस पार्टी में किसी भी राज्य के पार्टी जिलाध्यक्षों की सूची भी केंद्रीय नेतृत्व जारी करता हो वहां किसी दल से चुनावों में गठबंधन कोई राज्य इकाई अपने आप कर लेगी, यह असंभव है। कांग्रेस जिस तरह से पार्टियों से गठबंधन सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए करती है और लाभ नहीं होने पर उससे पीछा छुड़ा लेती है, वह आदत गठबंधन की राजनीति का अगुआ बनने के उसके प्रयासों पर पानी भी फेर सकती है। कांग्रेस ने आईएसएफ के बाद अब एआईयूडीएफ से पीछा छुड़ाकर अपनी छवि सुधारने का जो प्रयास किया है उसमें सफलता तो शायद ही मिले बल्कि इसका उलटा असर यह भी हो सकता है कि वह अब जी-23 नेताओं और भाजपा के निशाने पर एक बार फिर आ जायेगी। कांग्रेस को कट्टरपंथी दलों से समझौता करने के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कोई घेर नहीं पाये इसलिए भी कांग्रेस ने उक्त दलों से पीछा छुड़ाया है लेकिन वह भूल रही है कि यह जो पब्लिक है वह सब जानती है। आपको शायद याद हो कि जुलाई 2018 में एक उर्दू दैनिक इंकलाब ने दावा किया था कि राहुल गांधी ने उस समाचार-पत्र से बातचीत में कांग्रेस को मुस्लिमों की पार्टी बताया था। इस पर काफी विवाद भी हुआ था। सवाल है कि राहुल गांधी ने भले बोला हो लेकिन क्या कांग्रेस वाकई मुस्लिमों की पार्टी है क्या कांग्रेस को मुस्लिमों की जरा-सी भी चिंता है मुस्लिमों को सदा वोट बैंक की तरह उपयोग करने वाली कांग्रेस ने इस कौम का राजनीतिक और आर्थिक उद्धार होने ही नहीं दिया तो वह कैसे मुस्लिमों की पार्टी हो गयी  कांग्रेस के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भले लाल किले की प्राचीर से देश के प्राकृतिक संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का बताया हो लेकिन उन्हें पहला हक तो छोड़िये उनका वाजिब हक ही नहीं दिया गया। कांग्रेस ने आजादी के बाद से मुस्लिमों के लिए क्या-कुछ किया इसके लिए किसी नेता के बयान पर ध्यान देने की बजाय सच्चर कमिटी की रिपोर्ट को ही देख लीजिये सबकुछ साफ हो जायेगा।

कांग्रेस आने वाले चुनावों में भी मुस्लिम वोटों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करेगी, लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी खुद मुस्लिमों को कितना महत्व देती है यह इसी बात से पता लग जाता है जब आप कांग्रेस के केंद्रीय पदाधिकारियों की सूची देखते हैं। इस सूची में आपको मुकुल वासनिक, तारिक अनवर ही बड़े पदों पर नजर आयेंगे लेकिन इन्हें कितने राजनीतिक अधिकार हैं यह जगजाहिर है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिवों की सूची में जरूर कुछ मुस्लिम नेताओं के नाम हैं लेकिन वह सिर्फ अपने-अपने प्रदेशों तक सीमित हैं। यही नहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्षों की सूची देख लीजिये, दो-तीन ही अल्पसंख्यकों के नाम प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नजर आयेंगे, अन्य कुछ राज्यों में इनको सिर्फ कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नामित कर दिया गया है। गुलाम नबी आजाद, सलमान खुर्शीद तथा उनके जैसे अन्य नेता जो जनाधार या राजनीतिक अनुभव रखते हैं, वह आज कांग्रेस में किनारे कर दिये गये हैं। बहरहाल, कांग्रेस ने अपने अनुभवी नेताओं की बात नहीं सुनी, यही कारण है कि पहली बार पश्चिम बंगाल विधानसभा में उसका एक भी विधायक नहीं है। कांग्रेस ने अपने अनुभवी नेताओं की बात नहीं समझी यही कारण है कि असम की सत्ता उसके हाथों में आते-आते रह गयी। कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेताओं की बातों पर ध्यान नहीं दिया यही कारण है कि केरल, जहाँ सत्ता में आने की उसकी बारी एक तरह से निश्चित थी वहां भी पार्टी हार गयी।

# कोटा बढ़वाना है, तो क्यों न याद आए जाति

**वेदप्रताप वैदिक**

भारत में एक घनघोर असंवैधानिक मुहिम चल रही है और किसी भी पार्टी या नेता में दम नहीं है कि उसका विरोध करे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य प्रमुख पार्टियों के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास यह अनुरोध लेकर आए कि वह सारे देश में जातीय जनगणना करवाएं। मोदी ने सबकी बात ध्यान से सुनी, लेकिन उनसे कुछ कहा नहीं। जातीय जनगणना के समर्थकों से कोई पूछे कि भारत के संविधान में कहां लिखा है कि जातियों की गणना की जाए या जातियों को आरक्षण दिया जाए। संविधान की धारा 46 में उन वर्गों को विशेष प्रोत्साहन देने की बात लिखी है, जो शैक्षणिक और आर्थिक दृष्टि से कमजोर हैं। संविधान में किसी भी जाति का नाम नहीं गिनाया गया है। 'अनुसूचित जाति' शब्द का प्रयोग जरूर किया गया है लेकिन कोई बताए कि 'अनुसूचित' नामक कोई जाति देश में है क्या यह 'अनुसूचित' शब्द नया गढ़ा गया है। संविधान निर्माताओं की यह मजबूरी थी। उनके पास देश के अशिक्षितों और गरीबों के प्रामाणिक आंकड़े नहीं थे। इसलिए सही आंकड़ों के अभाव में उन्होंने उन सब जातियों की थोक में अनुसूची बना ली, चाहे उन जोड़े हुए लोगों में डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसे सुशिक्षित और जगजीवनराम जैसे संपन्न लोग भी रहे हों।

1955 में पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष काका कालेकर ने राष्ट्रपति को अपनी जो रिपोर्ट दी थी, उसमें लिखा था कि पिछड़ेपन का निर्णय जाति के आधार पर करना असंभव है। आरक्षण के बारे में उन्होंने लिखा था कि हमारे द्वारा सुझाए गए समाधान रोग से भी बुरे हैं। इस प्रक्रिया के कारण करोड़ों अशिक्षितों और गरीबों को विशेष अवसर मिलने के बजाय इस वर्ग के मुट्ठीभर लोगों को कुछ सौ सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिलने लगा। अब जो जातीय जनगणना की मांग हो रही है, उसका असली मकसद यही है कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को किसी तरह बढ़वाया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने 50 प्रतिशत आरक्षण देने की जो बात कही है, वह पिछड़े वर्गों के लिए कही है। तो पिछड़े वर्गों की गणना जरूर की जाए! उसमें जाति कहां से आ टपकी जो भी परिवार अशिक्षित और निम्न आय वाला हो, उसके लिए आरक्षण जरूर दिया जाए। उसका आधार जन्म नहीं, जरूरत हो। यदि कोई तथाकथित ऊंची जाति का परिवार हो और वह सामान्य सुविधाओं से वंचित हो तो उसे आरक्षण जरूर दिया जाए, लेकिन कोई तथाकथित नीची जाति का हो और संपन्न व सुशिक्षित हो तो उसे आरक्षण क्यों दिया जाए सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने से कितने लोगों का भला होगा यदि हम हमारे करोड़ों पिछड़े हुए भाई-बहनों के साथ न्याय करना चाहते हैं तो उन्हें शिक्षा और चिकित्सा में 70-80 प्रतिशत आरक्षण तक क्यों न दे दें यदि उन्हें शिक्षा और चिकित्सा मुफ्त मिले तो नौकरियों के लिए वे आपकी दया पर कतई निर्भर नहीं होंगे। वे अपनी योग्यता के आधार पर नौकरियां पाएंगे, व्यवसाय करेंगे और भारत को शक्तिशाली बनाएंगे।

यदि जातीय जनगणना होती है तो भारतीय लोकतंत्र के लिए वह बहुत घातक सिद्ध हो सकती है। जिस जातिवाद के उन्मूलन का बीड़ा डॉ. आंबेडकर और डॉ. लोहिया ने उठाया था, उसका जहर देश के कण-कण में फैल जाएगा। समतामूलक समाज का सपना ध्वस्त हो जाएगा। 74 साल की आधुनिकता पर पानी फिर जाएगा। देश के बच्चे-बच्चे में ऊंच-नीच का भेदभाव घर कर जाएगा। एक-दूसरे से नफरत बढ़ेगी। यदि जातीय संकीर्णता मजबूत होगी तो पिछड़ी जातियों के लोगों को हर गैर-सरकारी क्षेत्र में वंचित और दीन-हीन की तरह रहना होगा। डॉ. लोहिया का यह कथन हम याद करें कि 'हिंदुस्तान की दुर्गति का सबसे बड़ा कारण जाति-प्रथा है। देश में राष्ट्रीय चेतना पर जातीय चेतना हावी हो जाएगी। हमारे नेताओं को अपनी जातियों के नाम पर थोक वोट कबाड़ने हैं। उनके लिए कुर्सी ही ब्रह्म है। बाकी सब मिथ्या है। अब प्रांतीय चुनाव सिर पर हैं। सभी पार्टियां थोक वोट के लिए लार टपका रही हैं। चुनाव तो आएंगे और चले जाएंगे, लेकिन वे गहरे जातीय घाव छोड़कर जाएंगे। ये जातीय घाव राष्ट्रीय एकता में मवाद भर देंगे। राष्ट्रीय एकता तो सबसे ऊंची चीज है, लेकिन जातीयता इतनी भयंकर चीज है कि यह धार्मिक एकता के भी टुकड़े-टुकड़े कर सकती है। धर्म के नाम पर 1947 में भारत के दो टुकड़े हुए। अब जातियों के नाम पर कितने टुकड़े होंगे हिंदुओं में लगभग 20 हजार जातियां और उपजातियां हैं। यदि उनके गोत्र, उपनाम, कुल, कबीलों आदि को गिनें तो उनकी संख्या लगभग 50 लाख हो जाती है। इस्लाम में कहीं भी जात नहीं है, लेकिन भारत के मुसलमान भी जातिवाद के शिकार हैं। हमारे सिख और ईसाई भी इससे मुक्त नहीं हैं। इसके अलावा, सही अर्थों में जातीय जनगणना हो ही नहीं सकती, क्योंकि एक प्रांत में जो जाति सवर्ण है, वही दूसरे प्रांत में अवर्ण है। अपने आप को ब्राह्मण, राजपूत और वैश्य कहने वाले कुछ वर्ग भी तड़प रहे हैं कि उनको भी पिछड़ों में जोड़ लिया जाए। ताकि वे भी आरक्षण की रेवड़ियों पर हाथ साफ कर सकें। बेहतर होगा कि मोदी सरकार अपने कौल पर टिकी रहे। 'मेरी जाति हिंदुस्तानी आंदोलन' के आग्रह पर 2010 में मनमोहन-सोनिया सरकार ने जातीय जनगणना बीच में ही रुकवा दी थी। यही नहीं 2014 में मोदी सरकार आई तो जो आंकड़े इकट्ठा किए गए थे, उन्हें भी प्रकाशित नहीं होने दिया। यही दृढ़ता उसे अब भी प्रदर्शित करनी होगी। उसे अपने पार्टीजनों को बताना होगा कि वह हिंदुत्व की राष्ट्रीय एकता की धारणा को छिन्न-भिन्न नहीं होने देगी और कांग्रेसियों को बताना होगा कि जैसे 1931 में गांधी और नेहरू ने ब्रिटिश सरकार से जातीय जनगणना रुकवा दी थी, वैसे ही अब भी वे उसे अनुचित समझते हैं। कांग्रेस ने 11 जनवरी 1931 को 'जनगणना बहिष्कार दिवस' मनाया था। अब इस मुद्दे पर वह चुप क्यों है

# मुंह मीठा करने वालों की जेब खाली क्यों

**केसी त्यागी**

केंद्र सरकार ने आगामी वर्ष 2021-22 के लिए गन्ने का लाभकारी मूल्य घोषित किया है। इसमें 1.7 प्रतिशत यानी 5 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा करके इसे 290 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जहां इसे लेकर किसानों में मायूसी है, वहीं चीनी मिल मालिकों ने अतिरिक्त बढ़ोतरी न किए जाने का स्वागत किया है। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रमुख घटक भारतीय किसान यूनियन ने इसका विरोध कर आंदोलन चलाने की घोषणा भी की है। गन्ने की फसल नकदी फसल कहलाती है यानी बेचते ही पैसा हाथ में आ जाना। 'शुगर केन कंट्रोल ऑर्डर 1996' जिसे भार्गव फॉर्म्युला कहा जाता है, उसके अनुसार गन्ना उत्पादक किसान जिस दिन गन्ना मिल के गेट पर पहुंचा देता है, उसके 14 दिन के अंदर उसे भुगतान हो जाना चाहिए है।

इसके बाद लंबित भुगतान पर 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लगने का प्रावधान है। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच कई महत्वपूर्ण फैसले देकर भुगतान की तारीख तय कर चुकी है, लेकिन जिलों के अधिकारी और मिल मालिकों की मिलीभगत से यह संभव नहीं हो पाता है। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद व किसान नेता राजू सेठी की याचिका का संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। इसी का संज्ञान लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना आयुक्त ने मोदी नगर शुगर मिल, सिंभावली और बजाज शुगर मिल के लिए आरसी जारी करने का आदेश दिया है कि बकाया पेमेंट को लेकर उनकी संपत्ति कुर्क कर भुगतान किया जाए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किसान सम्मेलन में यह स्वीकार किया है कि लगभग 7000 करोड़ का बकाया दिलाने की कोशिश के साथ-साथ पराली जलाने के दौरान किए गए प्रदूषण के मुकदमों में राहत दी जाएगी। इन सबके बावजूद भुगतान को लेकर सरकारी घोषणाएं बेअसर हैं।

भारत विश्व में चीनी उत्पादन के क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। लगभग 5 करोड़ किसान और 40 लाख मजदूर इस उद्योग से अपनी जीविका चलाते हैं। यह उद्योग हर साल 1 लाख करोड़ की आमदनी पैदा करता है। भारत में 690 चीनी मिलें रजिस्टर्ड हैं। 1991 के आर्थिक उदारीकरण के चलते मुक्त बाजार के पक्षधर सरकार पर नीतियां बदलने का लगातार दबाव बनाते रहते हैं। बाजार में चीनी का 65 प्रतिशत इस्तेमाल पेय पदार्थ और कन्फेक्शनरी कंपनियां करती हैं। इससे इन्हें भारी मुनाफा होता है। शीरे के उत्पादन से भी मिल मालिकों को बेशुमार मुनाफा है। शराब बनाने वाली कंपनियां इसका भरपूर इस्तेमाल करती हैं। लेकिन सरकार शीरे के दाम भी नहीं बढ़ा रही है। 1952 से 1962 तक कृषि क्षेत्र में बजट का 35 प्रतिशत का आवंटन सुरक्षित रहता था और औद्योगिक क्षेत्र के लिए मात्र 15 प्रतिशत। लेकिन उद्योग एवं शहरों की प्राथमिकता के चलते कृषि बजट 15 प्रतिशत से भी नीचे चला गया और औद्योगिक क्षेत्र आवंटन 40 प्रतिशत से अधिक हो गया। 2014 से 18 के बीच 57345 किसानों ने आत्महत्या की है। औसतन प्रतिदिन 31 किसानों की आत्महत्याएं होती हैं। टाटा इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक, 2016-2020 के बीच खेती से जुड़ी आय में गिरावट आई है। बजट सत्र में कृषि मंत्री ने यह माना है कि किसान परिवार की मासिक आमदनी 6426 रुपये और मासिक खर्च 6223 रुपये दर्ज किया गया है। डीजल, बिजली, खाद्य, मजदूरी, कीटनाशक दवाइयों में बेतहाशा बढ़े दामों से लागत मूल्य काफी बढ़ चुका है। किसी भी हालत में यह मुनाफे का सौदा नहीं है। लखनऊ गन्ना रिसर्च इंस्टिट्यूट ने एक आकलन में 1 क्विंटल गन्ने की लागत 280 रुपये आंकी है जबकि शाहजहांपुर गन्ना शोध संस्थान के मुताबिक 1 क्विंटल गन्ने की लागत 301 रुपये है। चुनाव वर्ष में मात्र 5 रुपये का इजाफा राजनीतिक और आर्थिक हितों के खिलाफ न जाए, लिहाजा राज्य सरकारों को 5 रुपये की जगह लगभग 50 रुपये क्विंटल की बढ़ोतरी करनी चाहिए। कोरोना काल में ग्रामीण क्षेत्र ने अपनी विकास दर 3.5 प्रतिशत के आसपास बनाए रखी है, जबकि बाकी सभी क्षेत्रों में चिंताजनक गिरावट है। लिहाजा देश की अर्थव्यवस्था के विकास की रीढ़ किसानों को अतिरिक्त प्रोत्साहन की काफी जरूरत है।

## बारिश ने बिगाड़ा खेल, मरियप्पन से गीले मोजों ने छीन लिया स्वर्ण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय एथलीट थंगवेलु मरियप्पन टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। जिसकी वजह बारिश और उनके गीले मोजे रहे। थंगवेलु ने इस बात का खुद खुलासा किया है। टोक्यो पैरालंपिक में ऊंटी कूद स्पर्धा में वह रजत पदक जीतने में सफल रहे। रियो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता टी मरियप्पन यहां भी स्वर्ण पदक जीतने के दावेदार थे, लेकिन बरसात के चलते उनके भीग गए मोजों ने सारा काम खराब कर दिया। यह उनके गीले मोजे थे जिनके चलते मरियप्पन अपने खिताब की रक्षा नहीं कर सके। मरियप्पन खुलासा करते हैं कि वह आसानी से 1.90 मीटर की कुदान भर सकते थे। उनका यही लक्ष्य था, लेकिन गीले मोजों के चलते उन्होंने जोखिम नहीं लिया। मरियप्पन के मुताबिक, जब उन्होंने शुरुआत की उस समय बरसात ज्यादा नहीं हो रही थी। उन्होंने आसानी से 1.80 मीटर की कुदान भरी, लेकिन जैसे ही उनका अधिक ऊंचाई की कुदान भरने का नंबर आया वैसे ही बरसात तेज हो गई।

# निशानेबाजी के बाद तैराकी और बैडमिंटन में भी भारत को निराशा, प्रमोद-पलक की जोड़ी हारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के सुयश जाधव पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा के फाइनल में डिस्क्वालिफाई हो गए हैं। इसके साथ ही उनसे पदक जीतने की उम्मीद टूट गई। इससे पहले 10 मीटर एयर राइफल क्वालीफिकेशन में भारत के हाथ निराशा लगी। सिद्धार्थ बाबू, दीपक सैनी और अवनि लेखरा वाली भारतीय निशानेबाजी टीम फाइल में क्वालीफाई करने करने से चूक गई। टोक्यो पैरालंपिक में भारत के सुयश जाधव पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा के फाइनल में डिस्क्वालिफाई हो गए हैं। इसके साथ ही उनसे पदक जीतने की उम्मीद टूट गई। इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में सिद्धार्थ बाबू, दीपक सैनी और अवनि लेखरा वाली भारतीय टीम फाइनल में क्वालीफाई करने से चूक गई। भारत के लिए आज आठवां दिन भी भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। कई भारतीय एथलीट पदक जीतने के लिए अपना दमखम दिखाएंगे। बीते सातवें दिन भारतीय खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे और तीन पदक अपनी झोली में डाले। सातवें दिन जहां पहला पदक निशानेबाजी में सिंहराज अडाना ने दिलाया। वहीं, ऊंची कूद में मरियप्पन थंगवेलु और शरद में मेडल जीता।

टोक्यो पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत के हाथ निराशा लगी। सिद्धार्थ बाबू, दीपक सैनी और अवनि लेखरा वाली भारतीय निशानेबाजी टीम फाइनल में क्वालीफाई करने से चूक गई। छठी सीरीज में भारत की तरफ से अवनि लेखरा ने 10.496 अंक अर्जित किए और वह 27वें नंबर रहीं। सिद्धार्थ 10.425 अंक हासिल कर 40वें नंबर रहे। जबकि, दीपक सैनी 10.451 अंकों के साथ 43वें स्थान पर रहे। इस तरह तीनों भारतीय निशानेबाज बाहर हो गए।टोक्यो पैरालंपिक में 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा के फाइनल की रेस पूरी हो चुकी है। सुयश जाधव का समय अंकित नहीं किया गया है। इसका मतलब वह डिस्क्वालिफाई हो गए हैं। इसके साथ ही उनसे पदक जीतने की उम्मीद भी टूट गई।

## खुलासाः घुटना मुड़ने के चलते रात भर रोते रहे शरद, कांस्य पदक मुकाबले से एक दिन पहले लग गई थी चोट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टोक्यो पैरालंपिक में ऊंची कूद में कांस्य पदक जीतने वाले शरद कुमार मुकाबले से एक दिन पहले चोटिल हो गए और उनका घुटना मुड़ गया था। ऐसा कहा रहा था कि शायद ही वह मंगलवार को होने वाले मुकाबले में खेलें। लेकिन चोट के बावजूद शरद ने इतिहास रच दिया। कांस्य पदक जीतने वाले शरद कुमार का स्पर्धा से एक दिन पहले घुटना मुड़ गया। वह दर्द से कराह रहे थे और यह भी उम्मीद नहीं थी कि वह मंगलवार को होने वाली ऊंची कूद के मुकाबले में खेल भी पाएंगे या नहीं। उन्होंने अपने पिता को फोन कर बताया कि वह चोटिल हो गए हैं कि और उनके खेलने की उम्मीद नहीं है। उनके पिता ने कहा कि हिम्मत नहीं हारो भागवत गीता का जाप करो सब ठीक हो जाएगा। शरद रात भर रोते रहे। किस्मत ने उनका यहां पीछा नहीं छोड़ा। जब कंपटीशन शुरू होने वाला था तभी बरसात शुरू हो गई। शरद बताते हैं कि यह बेहद खतरनाक स्थिति थी। एक तो वह पोलियो के शिकार ऊपर से चोटिल और इस पर पानी का बरसना। जरा सी चूक उनका पूरा कॅरिअर खत्म कर सकती थी।

# यूएस ओपन 2021ः जोकोविच का शानदार आगाज, होल्गर को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सर्बिया के नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। उन्होंने पहले राउंड में डेनमार्क के होल्गार को हराया। यूएस ओपन में जोकेविच की नजरें 21वें ग्रैंड स्लैम पर हैं। इसके अलावा वह इस साल करियर स्लैम भी पूरा करना चाहेंगे। विश्व के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अमेरिका ओपन 2021 में शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहले दौर में डेनमार्क के होल्गार रुन को 6-1, 6-7 (5/7), 6-2, 6-1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इस साल करियर ग्रैंड स्लैम का सपना पूरा करने उतरे जोकोविच की निगाहें 21वें ग्रैंड स्लैम खिताब पर हैं। इस मुकाबले में डेनिस खिलाड़ी होल्गार ने जोकोविच को अच्छी टक्कर दी। लेकिन उनके अनुभव के आगे उनकी एक न चली। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला 2 घंटे 15 मिनट तक चला।

मैच जीतने के बाद जोकोविच ने कहा, यह मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था, दूसरे सेट में होल्गार ने अच्छा प्रदर्शन किया जब यह मायने रखता था और मैंने दूसरे से में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। जोकोविच ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पिछले 12 ग्रैंड स्लैम में से 8 खिताब जीते हैं। दूसरे दौर में उनका मुकाबला 121वीं वरीयता प्राप्त नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपूर से होगा। टालेन के बारे में जोकोविच ने कहा, मुझे उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। जोकोविच ने आगे कहा कि मैं इस कोर्ट को अच्छी तरह से जानता हूं, उम्मीद है सब ठीक होगा। सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच पहली बार 1969 में अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी रॉड लेवर के बाद न्यूयॉर्क में पहली बार पुरुष सिंगल्स का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करना चाहेंगे। यूएस ओपन जीतकर जोकोविच अब तक रोजर फेडरर और राफेल नडाल द्वारा जीते गए सबसे ज्यादा 20-20 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ना चाहेंगे। जोकोविच भी 20 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। नडाल और फेडरर चोटिल होने बावजूद इस बार यूएस ओपन में नहीं खेल रहे हैं।

# भारत ने लगाई पदक की हैट्रिक, पैरा एथलीटों ने मंगलवार को जीते तीन पदक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टोक्यो पैरालिंपिक में मंगलवार को भारत ने पदकों की हैट्रिक लगाई। भारत को दिन का पहला पदक निशानेबाज सिंहराज आधना ने दिलाया। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में 216.8 अंकों के साथ कांस्य पदक पर निशाना लगाया। इसके अलावा भारत ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में दो पदक अपने नाम किए। ऊंची कूद में 2016 रियो पैरालिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले मरियप्पन थंगावेलू को इस बार 1.86 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक के साथ संतोष करना पड़ा, जबकि शरद कुमार ने 1.83 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

वरुण के हाथ लगी निराशा : निशानेबाजी में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में भारत के मनीष नरवाल सातवें स्थान पर रहे, जबकि ऊंची कूद की स्पर्धा में

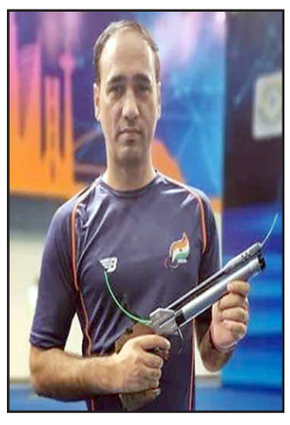

भाग लेने वाले एक अन्य भारतीय वरुण सिंह भाटी नौ प्रतिभागियों में सातवें स्थान पर रहे। वरुण ने रियो पैरालिंपिक में कांस्य पदक जीता था, लेकिन इस बार उनके हाथ निराशा लगी। आपको बता दें कि, इससे पहले टोक्यो पैरालिंपिक में भारत के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ था। महिला निशानेबाज अवनि लेखरा ने भारत को प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक दिलाया, जिसके साथ वह पैरालिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वालीं भारत की पहली महिला बन गई, तो भाला फेंक एथलीट सुमित अंतिल ने नया विश्व रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भाला फेंक की एक अन्य स्पर्धा में भारत ने दो और पदक जीते, जिनमें दो बार के स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया ने रजत पदक तो सुंदर सिंह गुर्जर ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। चक्का फेंक में योगेश कथूनिया भी रजत पदक जीतने में सफल रहे। इस तरह सोमवार को भारत के हिस्से में पांच पदक आए थे।

## जो रूट फिर बने नंबर-1 बल्लेबाज, विराट कोहली से आगे निकले रोहित शर्मा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार फॉर्म में चल रहे इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को आईसीसी मेंस टेस्ट रैंकिंग में बल्लेबाजों की लिस्ट में जबर्दस्त फायदा हुआ है। रूट करीब छह साल बाद एक बार फिर से टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। 30 साल के रूट पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत में बल्लेबाजों रैंकिग में पांचवें नंबर पर थे, लेकिन अब तीन टेस्ट मैचों में 507 रन बनाकर उन्होंने भारतीय कप्तान विराट कोहली, मार्नस लाबुशैन, स्टीव स्मिथ और केन विलियम्सन को पीछे छोड़कर टॉप स्थान हासिल कर लिया है। रूट लीड्स टेस्ट से पहले बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थे, जहां उन्होंने इंग्लैंड की एकमात्र पारी में 121 रन बनाए थे। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान रूट इससे पहले, दिसंबर 2015 में आखिरी बार आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचे थे। वह अब अपने करियर के बेस्ट रेटिंग प्वाइंटस एक प्वाइंट कम 917 अंकों पर हैं। इस बीच, भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कप्तान कोहली को पीछे छोड़ दिया है। रोहित ने लीड्स टेस्ट में 19 और 59 की पारियां खेलकर 773 की रेटिंग हासिल की और वह पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले नवंबर 2017 में कोई दूसरा भारतीय बल्लेबाज आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में कोहली से आगे निकला था। 2017 में भारत के चेतेश्वर पुजारा दूसरे और कोहली पांचवें पायदान पर थे।

# घर में निशानेबाजी रेंज बनाने के लिए सिंहराज ने बेच दिए थे पत्नी के गहने

**टोक्यो (एजेंसी)।** पिछले साल कोरोना वायरस के कारण देश में जारी लाकडाउन के चलते सभी प्रकार की खेल गतिविधियां पर ताला पड़ गया था। ऐसे में अभ्यास के लिए मैदान से दूर होने के कारण खिलाड़ियों की काफी नुकसान हो रहा था। इस बुरे दौर में भी फरीदाबाद से आने वाले सिंहराज आधना ने हार नहीं मानी और घर में निशानेबाजी का अभ्यास करने के लिए पत्नी के गहने बेचकर रेंज बनवा डाली। जिसका परिणाम यह रहा कि सिंहराज ने टोक्यो की असाका शूटिंग रेंज पर पी-1 पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 में कांस्य पदक जीता। सिंहराज ने कहा, 'कोरोना काल में जब अभ्यास नहीं कर पा रहा था तो मैं सोचने लगा था कि पदक जीतने का मेरा सपना खत्म हो चुका है। तब मेरे कोचों ने मुझे घर में रेंज तैयार करने की सलाह दी। मैं बेताब हो रहा था और अभ्यास नहीं कर पाने के कारण मेरी नींद उड़ गई थी। इसलिए मैंने रेंज तैयार करने के लिए अपने परिवार वालों से बात की तो वह सकते में आ गए क्योंकि इसमें लाखों रुपये का खर्च आना था।तभी मेरी पत्नी के गहने मुझे बेचने पड़े और मेरी मां ने केवल इतना कहा कि सुनिश्चित कर लो कि यदि कुछ गड़बड़ होती है तो हमें दो जून की रोटी मिलती रहे। इसके बाद प्रशिक्षकों, भारतीय पैरालिंपिक समिति और भारतीय

राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआइ) से मंजूरी और मदद के कारण हम अपने मिशन में कामयाब रहे और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का रेंज बनकर तैयार हो गया।'

39 वर्षीय सिंहराज के स्वर्गीय बाबा सूबेदार मेजर सुमेरा राम आधना एक स्वतंत्रता सेनानी थे, जबकि उनके पिता प्रेम सिंह आधना एक किसान और समाजिक कार्यकर्ता हैं। इस तरह पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए सिंहराज भी उनके सामजिक कामों में हाथ बटाने लगे थे। तभी पोलियो से ग्रसित होने के कारण वह काफी बुरी तरह से टूट चुके थे। इस तरह 35 साल के हो चुके सिंहराज का इस खेल से पहला परिचय उनके भतीजे ने कराया था जिनके साथ वह पहली बार निशानेबाजी रेंज पर गए थे। उन्होंने कहा, 'मेरा भतीजा गौरव आधना निशानेबाज है। जब वे अभ्यास कर रहे थे तो मैं मुस्करा रहा था तो कोच ने मुझसे इसका कारण पूछा। उस दिन मैंने निशानेबाजी में अपना हाथ आजमाया तथा पांच में से चार सही निशाने लगाए। इनमें परफेक्ट 10 भी शामिल था। इससे कोच भी हैरान था और उन्होंने मुझसे मुझे कहा था की अगर तुम इस पर ध्यान देते हो तो एक दिन देश का नाम रोशन कर सकते हो। पदक तक पहुंचने की राह में अपने संघर्षो के बारे में बात करते हुए सिंहराज भावुक हो गए और इस बारे में अपनी भावनाओं को बहुत अधिक व्यक्त नहीं कर पाए। सिंहराज ने कहा, 'मैं इस पर बाद में बात करूंगा। पैरा खिलाड़ियों की जिंदगी बहुत मुश्किल होती है। मेरे दोनों पांवों में पोलियो है और मैं बैसाखी के सहारे चलता था लेकिन मेरी मां और परिवार के अन्य सदस्यों ने मुझे बिना सहारे के पांवों पर खड़ा होने के लिए प्रेरित किया।'

## इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट के लिए इस स्टार ऑलराउंडर को बनाया टीम का उपकप्तान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अभी 1-1 की बराबरी पर है। दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट गुरुवार से लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर टीम का हिस्सा नहीं होंगे। बटलर सीरीज में अभी तक टीम के उपकप्तान की भूमिका निभा रहे थे। हालांकि अब उनके न रहने से टीम की उपकप्तानी का जिम्मा अनुभवी ऑलराउंडर मोइन अली को सौंपा गया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने चौथे टेस्ट मैच के लिए मोइन को टीम का उपकप्तान बनाया है। मोइन अब कप्तान जो रूट के मिलकर साथ टीम के मैदान पर रणनीति बनाएंगे। ईसीबी ने एक बयान में कहा, 'भारत के खिलाफ गुरुवार से लंदन के द ओवल मैदान पर शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच के लिए ऑलराउंडर मोइन अली को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।' मोइन को सीरीज के दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया था। दोनों टीमों के बीच बर्मिंघम में खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था, जबकि भारत ने दूसरे टेस्ट में शानदार जीत हासिल की थी। हालांकि मेजबान इंग्लैंड की टीम ने इसके बाद तीसरे टेस्ट में पारी और 78इ रनों से जीत दर्ज करके सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है।

## संन्यास लेने के बाद डेल स्टेन ने बताया, किस बल्लेबाज को गेंदबाजी करने में लगता था डर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अपने जमाने के सबसे घातक गेंदबाजों में शुमार दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले स्टेन पिछले कुछ सालों से चोट की समस्या से जूझ रहे थे, जिसके कारण उन्होंने अगस्त 2019 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। स्टेन ने संन्यास लेने के बाद भारत और भारतीय फैन्स की जमकर तारीफ की है, इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सचिन तेंदुलकर और रिकी पोंटिंग, ये दो ऐसे बल्लेबाज थे जिन्हें गेंदबाजी करना काफी मुश्किल था। क्रिकेट साउथ अफ्रीका को दिए गए एक इंटरव्यू में स्टेन ने बताया, 'सचिन और पोंटिंग काफी शानदार बल्लेबाज थे। वे आपकी क्षमता से अच्छी तरह परिचित थे इसलिए वे बल्लेबाज और गेंदबाज के बीच चलने वाली इस होड़ से बाहर

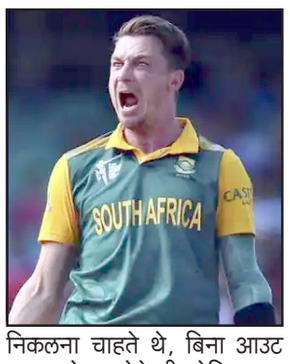

निकलना चाहते थे, बिना आउट हुए इससे दूर होने की कोशिश कर रहे थे। उनके पास केवल एक बार मौका होता है जबकि मुझे कम से कम छह गेंदें मिलती थीं।' उन्होंने आगे कहा, 'कभी-कभी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज भी मुझे तंग नहीं करते थे क्योंकि हम दोनों एक दूसरे का सम्मान करते थे। अगर मैं अच्छी गेंद डालता था तो वे उसे अच्छी तरह खेलते थे। मुझे उन बल्लेबाजों के आने से चिंता होती थी जिन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं होती थी कि मैं कौन हूं। निचले क्रम के बल्लेबाज जो मुझसे डरते भी थे, वे ही मेरे आंकड़े को बिगाड़ भी देते थे। भारतीय फैन्स को लेकर स्टेन ने कहा, 'भारत एक दीवाना देश है। यह एक रॉकस्टार की तरह महसूस करने के काफी करीब है। यहां आपके साथ हॉलीवुड या बॉलीवुड स्टार जैसा व्यावहार किया जाता है। वहां क्रिकेट की दीवानगी है। आप प्रैक्टिस करने मैदान पर जाते हैं, आपको 10,000 लोग देख रहे होते हैं। मुझे इस बात पर शक है कि अगर अब आगे मैं अपने जीवन में कुछ भी करूं मैं कभी ऐसा अनुभव कर पाउंगा। डेल स्टेन को भारत में खूब प्यार मिला है। उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, सनराइजर्स हैदराबाद, डेक्कन चार्जर्स और गुजरात लायंस की तरफ से खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल में खेले 95 मैचों में 25.85 की औसत से 97 विकेट निकाले हैं। वहीं इंटरनेशनल क्रिकेट में उनके नाम 265 मैचों में 699 विकेट हैं।

## चौथें टेस्ट से पहले भारतीय स्क्वॉड में शामिल हुए प्रसिद्ध कृष्णा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ऑल इंडिया सीनियर सिलेक्शन कमिटी ने टीम मैनेजमेंट की बात मानते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के लिए तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को मेन स्क्वॉड में शामिल कर लिया है। प्रसिद्ध

इस दौरे पर टीम इंडिया के साथ गए हुए हैं और लगातार टीम साथ ट्रेनिंग करते हुए भी नजर आए हैं। प्रसिद्ध इस दौरे पर स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर गए थे, लेकिन अब चौथे टेस्ट में वह प्लेइंग इलेवन के चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी है। सीरीज का चौथा टेस्ट 2 सितंबर से लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाना है। सीरीज का पहला मैच बारिश के चलते ड्रॉ पर छूटा था, जबकि लॉर्ड्स टेस्ट में टीम इंडिया ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की और फिर लीड्स के हेडिंग्ले ग्राउंड पर खेले गए तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने जबर्दस्त वापसी करते हुए इंग्लैंड को एक पारी 76 रनों से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली। रोहित शर्मा, केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), विराट कोहली (कप्तान), हनुमा विहारी, ऋषभ पंत, आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, ऋद्धिमान साहा, अभिमन्यु ईश्वरन, पृथ्वी शा, सूर्यकुमार यादव।

## देश के सामने 1991 जैसा आर्थिक संकट, पीएम मोदी को नहीं समझ आ रहा तो कर सकते हैं मदद : राहुल गांधी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बुधवार को कहा कि ईंधन की कीमतों में जब भी इजाफे की बात कही जाती है तो कह दिया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में इजाफा हो रहा है। यह बात गलत है। हमारी सरकार थी, तब क्रूड ऑयल की कीमत 105 डॉलर प्रति बैरल था और अब यह 71 डॉलर प्रति बैरल है। उन्होंने आगे कहा कि देश के सामने 1991 जैसा ही संकट पैदा हो रहा है। यह अर्थव्यवस्था की समस्या नहीं है बल्कि ढांचागत समस्या है। इससे नीतियों में बदलाव किए बिना बाहर निकला नहीं जा सकता है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि देश के युवाओं को

यह सोचना चाहिए कि यह आपका पैसा है और इसे किसके हाथों में दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि 23 लाख करोड़ रुपए की रकम किन हाथों में जा रही है। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मोनेटाइजेशन प्लान से 6 लाख करोड़ रुपए जुटाने की बात की जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के ही 4 से 5 प्रिय मित्रों के हाथों में इसके तहत देश की संपत्ति चली जाएगी।

महंगाई समेत कई मुद्दों पर कांग्रेस का विरोध नजर न आने को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि अभिव्यक्ति को रोका जा रहा है। आप जानते हैं कि मीडिया को बोलने नहीं दिया जा रहा है। हमें संसद में भी रोका जा रहा है। लेकिन इससे गुस्सा बढ़ता जाएगा और रिएक्शन जबरदस्त होगा। राहुल गांधी ने कहा कि हम लाखों लोगों को लेकर सड़क पर उतर सकते हैं, लेकिन उसके दूसरे खतरे हैं। इसलिए हम ऐसा करने से बच रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार को 23 लाख करोड़ रुपये की रकम बढ़े हुए टैक्स से मिली है। आखिर यह रकम कहां जाएगी। हमारी सरकार के दौर में जब 105 डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल था तो देश में पेट्रोल की कीमत 71 रुपये लीटर थी। आज दुनिया में क्रूड 71 में है तो पेट्रोल की कीमत 100 रुपए के पार है।

उन्होंने कहा कि हमने जिन आर्थिक नीतियों को हमने 1991 से 2012 तक चलाया, वह अब नहीं है। यह बात सही है कि 2012 के बाद से वह काम नहीं कर रही थी। हमारा कहना है कि एक नई एप्रोच की जरूरत है। पीएम मोदी ने वादा किया था कि मैं ऐसा करूंगा। वह न्यू इंडिया, मेक इन इंडिया की बात करते हैं, लेकिन ये सभी बातें खोखली हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अर्थव्यवस्था फेल हो रही है। यदि पीएम नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री को कुछ समझ नहीं आता है तो हम अपने एक्सपर्ट्स को भेज देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि शेयर बाजार में तेजी से उछाल देखने को मिल रहा है, लेकिन यह 50 कंपनियों का ही तमाशा है। देश की 300 से 400 प्रमुख कंपनियों की हालत खराब हो रही है। वही देश का भविष्य हैं, लेकिन उनकी हालत खराब हो रही है। देश को रोजगार मध्यम श्रेणी की इंडस्ट्री देती है, लेकिन मोदी जी के दिमाग में उनके लिए कोई जगह ही नहीं है।

## सिद्धू की उम्मीदें नहीं चढ़ेंगी परवान, अमरिंदर सिंह ही रहेंगे पंजाब के 'कप्तान', हाईकमान की नसीहत- साथ काम करो

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** पंजाब में कांग्रेस के नए बने प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को हाईकमान ने कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ काम करने की नसीहत दी है। सिद्धू कैंप के कई विधायकों और मंत्रियों की ओर से सीएम को बदलने या फिर चुनाव में किसी नए चेहरे को चुनने की मांग को हाईकमान ने खारिज कर दिया है। मंगलवार को सिद्धू कैंप के नेताओं से मीटिंग के दौरान राज्य के प्रभारी हरीश रावत ने हाईकमान का यह संदेश दिया। मंगलवार को ही हरीश रावत चंडीगढ़ पहुंचे थे। यहां उन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू और कई अन्य नेताओं से मुलाकात की थी। इसी दौरान उन्होंने हाईकमान का संदेश देते हुए कहा कि आप को साथ ही काम करना होगा। सूत्रों के मुताबिक हाईकमान का संदेश देते हुए हरीश रावत ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाए जाने की मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसकी वजह यह है कि चुनाव सिर पर हैं और उससे ठीक पहले ऐसा कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने सिद्धू कैंप से कहा कि सभी लोग मिलकर काम करें और आगामी चुनाव को देखते हुए संगठन को मजबूत करें। हरीश रावत ने पंजाब कांग्रेस के महासचिव परगट सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष कुलजीत नागरा से मुलाकात की। परगट सिंह अकसर कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ मुखर देखे गए हैं। रावत ने इस दौरान राज्य के कई मंत्रियों और विधायकों से भी मुलाकात की।

हरीश रावत ने कहा, 'चुनाव नजदीक आ रहे हैं। हमने पार्टी संगठन के विस्तार को लेकर बात की। नेताओं को उनकी क्षमता के अनुसार जिम्मेदारियां दी गई हैं ताकि चुनाव में जीत तय की जा सके। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि अगले 15 दिनों में पंजाब में संगठन का विस्तार किया जाएगा।' अब बुधवार को ही हरीश रावत सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह से भी मुलाकात करने वाले हैं।

## आखिरी दिन लगे रिकॉर्ड 1.31 करोड़ टीके

### अगस्त महीने में कोरोना टीकाकरण ने रचा इतिहास

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अगस्त महीने के आखिरी दिन भारत ने कोरोना टीकाकरण में एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया। एक दिन में देश के अंदर कोरोना टीके की 1.31 खुराक दी गई, जो 16 जनवरी से शुरू हुए टीकाकरण अभियान के बाद अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। इसके साथ ही भारत ने पूरे अगस्त महीने में कोरोना टीके की कुल 18.18 डोज लगाई। इससे पहले जुलाई माह में देश में कोविड वैक्सीन की 13.45 करोड़ खुराकें दी गई थीं। भारत में अब तक कोरोना टीके की कुल 65 करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। अगस्त माह में हर दिन औसतन 58.46 लाख टीके लगे हैं।

यह पहली बार है जब भारत में औसत टीकाकरण 50 लाख से पार हुआ है। अप्रैल में यह आंकड़ा 29.96 लाख था, जो मई में घटकर 19.69 लाख प्रतिदिन हो गया था। टीके के उत्पादन में

आई तेजी का परिणाम टीकाकरण की रफ्तार पर भी दिखा और फिर जून-जुलाई माह में देश में फिर से तेजी से टीकाकरण होने लगा। जून में हर दिन औसतन 39.89 लाख टीके दिए गए तो वहीं जुलाई में यह आंकड़ा 43.41 लाख था। अगस्त महीने में उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 2.46 करोड़ डोज लगाए गए। इसके अलावा 1 करोड़ से ज्यादा टीका देने वाले सात राज्यों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात, राजस्थान, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। जिन राज्यों में अगस्त महीने में 50 लाख से ज्यादा टीके लगाए गए उनमें तमिलनाडु (93 लाख), केरल (87.18 लाख), आंध्र प्रदेश (86.46 लाख) और ओडिशा (56 लाख) शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मंगलवार सुबह तक राज्यों के पास कोरोना वैक्सीन की 5.42 करोड़ डोज अभी भी बची हुई हैं।

### अखिलेश के बाद चाचा शिवपाल ने भी भाजपा पर साधा निशाना, बोले-योगी राज में बेकाबू हुई नौकरशाही

**संभल (एजेंसी)।** प्रगतिशील समाजवादी पार्टी- लोहिया (प्रसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने बुधवार को राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला करते हुए कहा कि इस सरकार के शासनकाल में नौकरशाही बेकाबू हो चुकी है। यादव ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल है, हत्या डकैती लूट और बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो गई हैं असल बात तो यह है कि इस सरकार के शासनकाल में नौकरशाही पूरी तरह बेकाबू हो गई है और वह मनमानी पर उतर आई है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी पूरी कर ली है और पार्टी की मंशा है कि समान विचारधारा वाले दल एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ें।

## स्कूल खुले, बच्चों के चेहरे खिले

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में सितंबर की पहली तारीख को स्कूल खुल गए, बुधवार सुबह से ही दिल्ली में बारिश हो रही है और बच्चे बरसाती और छाता लेकर पुराने अंदाज में स्कूल पहुंचे. कई और राज्यों में भी आज से स्कूल खुल गए हैं।

कोरोना महामारी के कारण पिछले कई महीनों से बंद स्कूल एक सितंबर से खोल दिए गए. स्कूल खोलने के लिए राज्य सरकारों ने सख्त कोरोना प्रोटोकॉल तैयार किया है. दिल्ली, मध्य प्रदेश, यूपी, तमिलनाडु, हरियाणा, राजस्थान, तेलंगाना, असम और पुडुचेरी समेत कई राज्यों में 50 फीसदी क्षमता के साथ स्कूल खुल गए हैं. महीनों तक बच्चों ने पढ़ाई ऑनलाइन की और अब वे स्कूल जाने को लेकर काफी उत्साहित दिख रहे हैं. दिल्ली में बुधवार को सुबह से ही तेज बारिश हो रही है लेकिन बच्चों का स्कूल जाने का जोश बारिश की बूंदें कम नहीं कर पाई. बच्चे छाता और बरसाती के सहारे बारिश से बचते हुए स्कूल पहुंचे।

दिल्ली में स्कूल खोलने को

लेकर दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मीडिया से कहा, ठसावधानी के साथ खुलने में दिक्कत नहीं है. स्कूल-कॉलेज का कोई विकल्प नहीं हो सकता है. ऑनलाइन पढ़ाई स्कूल का कारगर विकल्प नहीं हैठ उन्होंने कहा कि स्कूल खुलने से बच्चे उत्साह में हैं. दिल्ली में बुधवार से 9वीं से 12वीं तक स्कूल खुले तो शिक्षकों ने बच्चों को कोरोना प्रोटोकॉल के बारे में सबसे पहले समझाया और उन्हें बताया गया कि स्कूल के दौरान उन्हें किस तरह से दिशा-निर्देशों का पालन करना है. और कहां-कहां खुले स्कूल उत्तर प्रदेश में भी सख्त कोरोना दिशा-निर्देशों के साथ स्कूल खोल दिए गए हैं. उत्तर प्रदेश में कक्षा एक से पांचवीं तक के स्कूल खुल गए हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूलों में कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं. स्कूल खोलने से एक दिन पहले इस संदर्भ में बैठक भी की थी। योगी ने स्कूलों में स्वच्छता, सैनिटाइजेशन का काम हर दिन करने के निर्देश दिए हैं. यूपी में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के बच्चों के लिए स्कूल 16 अगस्त को ही खोल दिए गए थे. मध्य प्रदेश में छठी से 12वीं तक के स्कूल 50 फीसदी क्षमता के साथ खुल गए हैं. राजस्थान की बात की जाए तो वहां भी आज से ही 9वीं से 12वीं की कक्षा खोल दी गई हैं. वहीं हरियाणा में चौथी और पांचवीं कक्षा को दोबारा खोलने का फैसला किया गया है. छात्रों को माता-पिता की इजाजत के साथ स्कूल आने की इजाजत होगी. दक्षिण के राज्य तमिलनाडु में भी आज से 9वीं से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं खोलने का फैसला किया गया है. पुडुचेरी में भी कक्षा 9 से 12 तक 50 फीसदी क्षमता के साथ फिर से शुरू हो गईं।

### मिली खुशियों की चाभीः अयोध्या की प्रेमा बोलीं- हमार घर बन गइल, जुग-जुग जियें मोदी-योगी

**लखनऊ (एजेंसी)।** अपना घर का सपना संजोने वाले 05 लाख 51 हजार ग्रामीण परिवारों का ख्वाब आखिर पूरा हो गया। बुधवार को जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन्हें ठअपने घरठ की चाभी मिली तो आंखें खुशी से भर आईं। जीवन के इस बेहद खास मौके को किसी ने अविस्मरणीय बताया तो कोई मोदी-योगी को धन्यवाद देते न थक रहा था। मुख्यमंत्री आवास पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत बने 5.51 लाख आवासों की चाभी संबंधित परिवारों को सौंपी। अयोध्या, सोनभद्र, रायबरेली की 05 लाभार्थियों को सीएम ने प्रतीकात्मक चाभी दी, जबकि लाखों लोग वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े थे।

### फिरोजाबाद में डेंगू से मौत पर अखिलेश ने भाजपा को घेरा, बोले-

## संक्रामक बीमारियों के प्रति लापरवाह है योगी सरकार

**लखनऊ (एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि फिरोजाबाद में डेंगू और वायरल से हुई मौतों के बाद भी सरकार सोई हुई है और संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि यूपी में लचर स्वास्थ्य सेवाओं के कारण जनता बेहाल है। बारिश-जलजमाव के कारण संचारी रोग तेजी से फैल रहा है। जलजनित बीमारियों से संक्रमित रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सरकार की ओर से संक्रमण रोकने की दिशा में कोई प्रयास नहीं हो रहा है न तो समय से दवाओं का छिड़काव हुआ और न ही इलाज की समुचित व्यवस्था। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद में डेंगू

और वायरल से 56 मौत होने के बाद भी शासन-प्रशासन की नींद नहीं टूटी। लखनऊ और समीपवर्ती जिले टाइफाइड की चपेट में है। लखनऊ में अब तक टाईफाइड से लगभग सौ लोग प्रभावित हो चुके हैं। जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर बुनियादी सुविधाओं का भी अकाल है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रचार में लीन भाजपा सरकार नींद से जागे और लखनऊ व प्रदेश के शहरों, बस्तियों, गांवों में फैल रहे खतरनाक जानलेवा बुखार से प्रभावित होने वाले बच्चों और बड़ों के लिए स्तरीय चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्ति करे। वायरल फीवर से यूपी के बाल-बच्चों वाले परिवार बेहद चिंतित और भयभीत हैं।

यूपी की भाजपा सरकार की प्राथमिकता में स्वास्थ्य सेवायें नहीं हैं। कोरोना वैश्विक महामारी में आम जनता का भरोसा सरकार ने तोड़ दिया। इलाज, बेड, आक्सीजन संकट के समाधान में भाजपा सरकार पूरी तरह फेल रही। वैक्सीनेशन के नाम पर हो-हल्ला मचाने वाली भाजपा सरकार वैक्सीन आपूर्ति में ही पिछड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के दौर में ब्लैक फंगस का सही इलाज अस्पतालों में नहीं हो पाया। दवाओं, इंजेक्शन की तलाश में लोग दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर रहे। पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा है। जनता त्रस्त है।

## गोरखपुर में उफनाई राप्ती-रोहिन-सरयू और गोर्रा, बनारस और सोनोली हाईवे पर चढ़ा पानी

**गोरखपुर (एजेंसी)।** गोरखपुर में उफनाई राप्ती, रोहिन, सरयू और गोर्रा जमकर तबाही मचा रही हैं। बुधवार को दर्जनों स्थानों पर बंधों में रिसाव हो रहा है जिससे ग्रामीणों के बीच दहशत है। वहीं बगहा-वीर बाबा मंदिर के पास राप्ती और आमी का पानी चढ़ जाने के कारण गोरखपुर-वाराणसी मार्ग पर बड़े वाहनों के आवागमन को प्रशासन ने रोक दिया है। कौड़ीराम के पास बैरियर लगाकर पुलिस ने गाड़ियों को दूसरे मार्गों के लिए मोड़ना शुरू कर दिया है। इसके पहले बुधवार को गोरखपुर-सोनौली फोरलेन तक पानी पहुंच गया था। लोगों का कहना है कि इसी तरह नदियों का जलस्तर बढ़ता रहा तो जल्द ही पानी दोनों फोरलेन के आरपार बहने लगेगा। राप्ती, रोहिन, सरयू और गोर्रा नदी खतरे के निशान को पहले ही पार कर चुकी हैं। इन नदियों का पानी

लगातार बढ़ रहा है जिसकी वजह से बंधों पर दबाव बढ़ गया है। बुधवार को गोरखपुर-वाराणसी मार्ग पर बगहा वीर बाबा मंदिर के समीप आमी और राप्ती का पानी आ जाने से प्रशासन ने बड़े वाहनों के आवागमन को रोक दिया है। वर्ष 1998 में बगहा वीर बाबा मंदिर से महज 500 मीटर पहले कसिहार के समीप मार्ग कट कर बह गया था।

## घाटी में बढ़ेगा आतंक तालिबान से बोला अलकायदा, अब कश्मीर को भी इस्लाम के दुश्मनों से कराना है आजाद

**काबुल (एजेंसी)।** अमेरिका में हुए 9/11 आतंकी हमले के जिम्मेदार खूंखार दहशतगर्द संगठन अलकायदा ने तालिबान को

अफगानिस्तान पर राज जमाने की मुबारकबाद दी है। यही नहीं अलकायदा ने तालिबान को दिए अपने संदेश में कश्मीर समेत दुनिया के उन इलाकों को आजाद कराने की बात कही ही, जो इस्लाम के दुश्मनों के कब्जे में है। अलकायदा के इस संदेश से अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह से आतंकी संगठनों की नजर कश्मीर पर है और आने वाले दिनों में भारत की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की पूरी तरह से वापसी के एक दिन बाद अलकायदा ने यह संदेश जारी किया है। अलकायदा की ओर से जारी बयान में कहा, 'अब सीरिया, सोमालिया, यमन, कश्मीर और दुनिया भर में मौजूद इस्लाम की उस धरती को आजाद कराना है, जो इस्लाम के दुश्मनों के हाथों में है। ओ अल्लाह! पूरी दुनिया में इस्लाम के बंधक बने लोगों को आजादी दे।' अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान की ओर से पूर्ण का ऐलान किया गया था। इसके बाद ही अलकायदा ने यह बयान जारी किया था। अलकायदा ने कहा कि हम लंबे समय से सीरिया, सोमालिया, फलस्तीन और कश्मीर को आजाद कराने की मांग करते रहे हैं।

अमेरिकी सेनाओं की 30 अगस्त को राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से किए गए ऐलान के मुताबिक ही वापसी हो गई थी। इसके बाद तालिबान काबुल एयरपोर्ट पर कार रेसिंग करते हुए और हवाई फायरिंग कर जश्न मनाते दिखे थे। अमेरिका पर 2001 में हुए आतंकी हमले के बाद अफगानिस्तान की सत्ता से बेदखल किए गए तालिबान ने एक बार फिर से पूरे देश पर कब्जा जमा लिया है। हालांकि अब भी पंजशीर घाटी में विद्रोहियों ने उसके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। अहमद मसूद और पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद सालेह शामिल हैं।


**अंखड भारत संदेश** के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

**मुद्रक/प्रकाशक**

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025


## पंजशीर घाटी में लड़ने आए थे तालिबान लड़ाके, उल्टे खुद ही मारे गए

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तालिबान के लिए पंजशीर घाटी को जीतना मुश्किल होता दिख रहा है। बता दें कि पंजशीर घाटी ही एकमात्र ऐसा इलाका है जहां तालिबान का नियंत्रण नहीं है। तालिबान ने 1 सितंबर को पंजशीर घाटी में विद्रोहियों से हथियार डालने का आह्वान किया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि तालिबान का विरोध कर रहे लड़ाकों ने तालिबान के भारी हमलों को नाकाम कर दिया है।तालिबान ने वरिष्ठ अधिकारी अमीर खान मुत्ताकी ने मामले को लेकर ट्विटर पर कहा, 'पंजशीर के मेरे भाइयों। हमने बातचीत के जरिए पंजशीर समस्या को हल करने की कोशिश की है लेकिन दुर्भाग्य से सब व्यर्थ है। ऐसे में अब जब बातचीत विफल हो गई है तो तालिबान ने घाटी को घेर लिया है। लेकिन घाटी में अभी भी ऐसे लोग हैं जो समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान नहीं चाहते हैं।' मुत्ताकी ने आगे कहा है कि अब

यह आप लोगों पर निर्भर करता है कि आप उनसे बात करें। जो लड़ना चाहते हैं उन्हें बता दीजिए कि अब बहुत हो चुका है। अशरफ गनी सरकार में रक्षा मंत्री रहे बिस्मिल्लाह मोहम्मदी ने कहा है कि तालिबान ने 31 अगस्त की रात पंजशीर पर नए सिरे से हमला किया था लेकिन वह हार गए। बिस्मिल्लाह ने दावा किया है कि इस हमले में 34 तालिबान लड़ाके मारे गए हैं और 65 घायल हो गए हैं। एक न्यूज़ एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि पंजशीर घाटी के लोग पीछे हटने के मूड में नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह अपने खून की आख़िरी बूंद तक पंजशीर घाटी की रक्षा करेंगे। लोगों का कहना है कि हमने रूसियों के युग, अंग्रेज़ों के युग, तालिबान के पिछले युग के दौरान इसका बचाव किया है और हम इसका बचाव करना जारी रखेंगे।

### अफगानिस्तान में आम लोगों की मदद जारी रखेगा अमेरिका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता जारी रखने के लिए अमेरिकी सरकार और उनके साथी पार्टनर्स को लाइसेंस जारी किया है। न्यूज़ एजेंसी रॉयटर्स ने अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के एक अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है। 29 अगस्त को ट्रेजरी विभाग द्वारा जारी विशिष्ट लाइसेंस, तालिबान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद, अमेरिकी सरकार और उसके ठेकेदारों को अफगानिस्तान में लोगों को मानवीय सहायता देने की अथॉरिटी देता है। इसमें भोजन और दवा की डिलीवरी आदि शामिल है। यह लाइसेंस 1 मार्च 2022 को खत्म हो रहा है। अमेरिका को डर है कि तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में मानवीय संकट बढ़ सकता है और यही कारण है कि लाइसेंस जारी किया गया है।